शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांईसेस फॉर वुमैन

एन॰ए॰ए॰सी॰ द्वारा 'ए' ग्रेड के साथ मान्यता प्राप्त

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

विवरणिका 2019–20

शिवराम हरि राजगुरू

(24 अगस्त 1908 – 23 मार्च 1931)

शिवराम हरि राजगुरू का जन्म 1908 में पूना जिले के खेद में एक हिन्दू ब्राह्मण परिवार में हुआ। वे बहुत छोटी उम्र में ही वाराणसी आ गए जहां पर उन्होंने संस्कृत सीखी और हिन्दू धार्मिक ग्रन्थों का अध्ययन किया। वाराणसी में वे क्रान्तिकारियों के संपर्क में आए। वे स्वाधीनता आन्दोलन में सम्मिलित हो गए और हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी (एच॰एस॰आर॰ए॰) के सक्रिय सदस्य बन गए। राजगुरू में निर्भिकता की भावना और अदम्य साहस कूट-कूट कर भरा था। उनकी अराधना और पूजा का मात्र एक ही उद्देश्य उनकी मातृभूमि थी, जिसकी मुक्ति के लिए वे किसी भी त्याग को कम मानते थे। वे चन्द्र शेखर आज़ाद, सरदार भगत सिंह और जतिन राम के निकटतम सहयोगी रहे तथा कानपुर, आगरा और लाहौर मुख्यालयों सहित उनकी गतिविधियों के प्रमुख केन्द्र उत्तर प्रदेश और पंजाब थे। राजगुरू एक बहुत अच्छे निशानेबाज थें और पार्टी के गनमैन के रूप में नवाज़े जाते थे। उन्होंने क्रांति के आन्दोलन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण सन् 1928 में लाहौर में ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जे॰पी॰ सांडर्स की हत्या थी।

सरदार भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव ने साडर्स की हत्या का प्रयास किया था। वे दोषी ठहराए गए और उन्हें मृत्यु दंड दिया गया। राजगुरू को उनके दो साथियों सहित 25 मार्च, 1931 को शाम को लाहौर जेल में फांसी दे दी गई। शहीद होने के समय राजगुरू की आयु मात्र 23 वर्ष थी।

उन्मुखीकरण दिवस

20 जुलाई, 2019, 10:30 पूर्वाहन

स्थान : कॉलेज आडिटोरियम

विषय–वस्तु

प्रधानाचार्या का संदेश 1
प्रवेश अनुसूची 2
महाविद्यालय का दृष्टिकोण एवं ध्येय 3
शैक्षिक कैलेण्डर 3
प्रवेश विवरण 4
पात्रता मापदंड 6
महाविद्यालय के बारे में 8
आई॰क्यू॰ए॰सी॰@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 9
स्टॉफ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 9
संकाय 10
विभाग
- बॉयोकैमिस्ट्री विभाग 11
- बॉयोमेडिकल सांइस विभाग 13
- कैमिस्ट्री विभाग 15
- कम्प्यूटर सांइस विभाग 17
- इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग 19
- खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग 21
- इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग 23
- प्रबंधन और वित्तीय अध्ययन विभाग 25
- गणित विभाग 29
- माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग 31
- भौतिकी विज्ञान विभाग 33
- साइकॉलोजी विभाग 35
- सांख्यिकी विभाग 37
- शारीरिक शिक्षा एवं खेल–कूद विभाग 39

सुविधाएं@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 40
उपलब्धियाँ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 42
अवसर@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 43
जीवन@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्लयू 44
सामाजिक पहलें 48
महाविद्यालय के नियम 49
अध्यादेश 51
समितियाँ 53
पाठ्यक्रम–वार सीटों की संख्या 54
शुल्क संरचना 55

प्रधानाचार्या का संदेश

मैं आपका शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेस फॉर वूमैन में हार्दिक स्वागत करती हूँ और हमारे छात्रों को प्राप्त अनुभवों के अवसर व श्रेणी की विविधता पर एक नज़र डालने व प्रवेश संबंधी अन्य जानकारी के लिए के लिए प्रवेश ई-विवरणिका 2019 प्रस्तुत करती हूँ। शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेस फॉर वूमैन में पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है। आज हमें 2000 से अधिक छात्राओं को और 14 विभिन्न विषयों में शिक्षा प्रदान करने के दायित्व को निभाने पर गर्व महसूस होता है।

हमारे शिक्षण और अनुसंधान के प्रभाव को अब पूरे देश में मान्यता प्राप्त है जोकि हमारी राष्ट्रीय रैंकिग में लगातार वृद्धि दर्शाती है। कर्मचारियों की प्रतिभाशाली और विविध टीम द्वारा समृद्ध, हम साझेदारी की भावना के माध्यम से उत्कृष्टता प्रदान करने और अवसर की समानता बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा के साथ काम करते हुए, हम आने वाले सत्र में कई रोमांचक अवसरों की आशा कर सकते हैं। शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाइड सांइसेस फॉर वूमैन एन॰ए॰ए॰सी॰ द्वारा ग्रेड 'ए' मान्यता प्राप्त संस्थान है तथा एन॰आई॰आर॰एफ॰ द्वारा ऑल इन्डिया रैंकिंग 2019 में 31वें स्थान पर है, जो न केवल शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है बल्कि समग्र विकास के लिए एक पोषक पर्यावरण भी प्रदान करता है। हमारे पास व्यक्तिगत जरूरतों के लिए उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने और माध्यमिक शिक्षा के बाद के अवसरों के लिए युवाओं को तैयार करने का एक महान इतिहास है।

शहीद राजगुरू कॉलेज का उद्देश्य अपने छात्रों को प्रतिस्पर्धित माहौल प्रदान करना है और उन्हें अपने संबंधित क्षेत्रों में अग्रदूत साबित करना है। वर्तमान में कॉलेज में 14 स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान किये जा रहे हैं - बी॰एससी॰ (ऑनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) बॉयोमेडिकल सांइस, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) कैमिस्ट्री, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) कम्प्यूटर सांइस, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) फूड टेक्नॉलॉजी, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन, बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) मैथमेटिक्स, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) माइक्रोबॉयोलॉजी, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) फिजिक्स, बी॰ए॰ (ऑनर्स) साइकॉलोजी, बी॰एससी॰ (ऑनर्स) स्टेस्टिक्स।

कॉलेज अपने अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के लिए जाना जाता है। कॉलेज का प्रत्येक विभाग उच्च सुसज्जित प्रयोगशालाओं से लैस है। हमारे छात्रों के लिए एक उन्नत और इंटरैक्टिव लर्निंग के अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए तीन मंजिला आर.एफ.आई.डी. इनेबल्ड पुस्तकालय, वाई-फाई सक्षम परिसर और उन्नत प्रक्षेपण प्रणाली और इंटरैक्टिव मॉनिटरर्स भी हैं। शारीरिक फिटनेस के मूल को आत्मसात करने के लिए, महाविद्यालय में एक पूर्णतः सुसज्जित जिम भी है, जो सभी विद्यार्थियों के लिए खुला है। इस महाविद्यालय में लगभग 120 विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की व्यवस्था है। रैम्पों और ऐलीवेटरों सहित, कैम्पेस का डिजाईन शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए भी अनुकूल है। महाविद्यालय में एक इन्डोपर ऑडिटोरियम, एक ओपन-एयर एम्फीथियेटर और एक सम्मेलन कक्ष है। 9.5 एकड़ में फैला हुआ हरा-भरा कैम्पस महविद्यालय के परिवेश को शान्त बनाए रखता है।

राजगुरू महाविद्यालय, वर्षों से अपने भूतपूर्व छात्रों की उनके सम्बन्धित क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता का गौरवान्वित साक्षी रहा है और निश्चित रूप से भविष्य में भी और अधिक छात्रों के सम्बंध में साक्षी रहेगा। महाविद्यालय को, वर्ष-दर-वर्ष, अनेक उज्जवल युवा मस्तिष्कों को सफलता की ऊंचाईयों तक पहुंचने में सक्षम बनाने का प्रयास करते हुए उनमें बदलाव लाने और कुछ बेहतर करने की क्षमता विकसित करने का अवसर मिला है।

प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यक्रम के चयन के सम्बन्ध में आसानी से जानकारी प्राप्त करने में छात्रों और उनके अभिभावकों की सहायता के लिए इस ई-विवरणिका में, प्रवेश पत्र को भरने, शुल्कों, सभी कोर्सों के पाठ्यक्रमों और सामान्य चुनिंदा विकल्पों सहित प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में सारी जरूरी जानकारी दी गई है।

नए शैक्षिक सत्र के आरम्भ के साथ ही, मैं प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं, उनके जीवन का एक नया चरण आरम्भ हो रहा है, जिसमें वे जीवन पर्यन्त साथ देने वाले मित्र बनाएंगे और बौद्धिक तथा सामाजिक रूप से आगे भी बढ़ेंगे। आने वाले वर्षों के लिए मैं आप सभी को शुभकामनाएं देती हूं और आशा करती हूं कि आप यहां पर अत्यन्त लाभदायक, आनन्दमय और अविस्मरणीय समय व्यतीत करेंगे।

(डॉ. पायल मागो)
प्रधानाचार्या

प्रवेश अनुसूची

कट–ऑफ सूचियों की घोषणा, दस्तावेजों का सत्यापन, महाविद्यालयों में प्रवेश का अनुमोदन और प्रवेश–शुल्क के भुगतान का कार्यक्रम

कट–ऑफ	गतिविधि	तारीख
	ऑन लाइन पंजीकरण	30 मई 2019 (गुरूवार)
प्रथम कट–ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा प्रथम कट–ऑफ मार्क लिस्ट जारी करना	28 जून 2019 (शुक्रवार)
	दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश का अनुमोदन	28 जून 2019 (शुक्रवार) से 1 जुलाई 2019 (सोमवार) (रविवार को छोड़कर)
दूसरी कट–ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा प्रथम कट–ऑफ मार्क लिस्ट जारी करना	4 जुलाई 2019 (शुक्रवार)
	दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश का अनुमोदन	4 जुलाई 2019 (शुक्रवार) से 6 जुलाई 2019 (शनिवार)
तीसरी कट–ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा प्रथम कट–ऑफ मार्क लिस्ट जारी करना	9 जुलाई 2019 (मंगलवार)
	दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश का अनुमोदन	9 जुलाई 2019 (मंगलवार) से 11 जुलाई 2019 (गुरूवार)
चौथी कट–ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा प्रथम कट–ऑफ मार्क लिस्ट जारी करना	15 जुलाई 2019 (सोमवार)
	दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश का अनुमोदन	15 जुलाई 2019 (सोमवार) से 17 जुलाई 2019 (बुधवार)
पांचवीं कट–ऑफ	महाविद्यालयों द्वारा प्रथम कट–ऑफ मार्क लिस्ट जारी करना	20 जुलाई 2019 (शनिवार)
	दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश का अनुमोदन	20 जुलाई 2019 (शनिवार) से 23 जुलाई 2019 (मंगलवार) (रविवार को छोड़कर)

टिप्पणी :

1. दस्ताावेजों के सत्यापन और प्रवेश के अनुमोदन के लिए समय प्रातः 9.00 से अपराह्ण 1.00 बजे तक होगा।

2. महाविद्यालय की प्रधानाचार्या द्वारा प्रवेश का अनुमोदन हो जाने के उपरान्त, प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के लिए आवेदक को अंडर–ग्रेजुएट प्रवेश पोर्टल पर लाग ऑन करना होगा। प्रवेश शुल्क का ऑनलाइन भुगतान, जिस दिन प्रवेश का अनुमोदन हुआ है, उसके अगले दिन के 3.00 बजे दोपहर तक ही किया जा सकता है।

3. प्रवेश के समय उत्पादित मूल अनिवार्य दस्तावेजों का ऑन–लाइन सत्यापन किया जायेगा। जिन दस्तावेजों को ऑनलाइन सत्यापन नहीं किया जा सकता है, उन्हें मूल में अंडर–ग्रेजुएट प्रवेश तिथि के अंतिम दिन से एक सप्ताह के भीतर फोरेंसिक सत्यापन के लिए प्रस्तुत करना होगा।,

अगली कट–ऑफ सूचियां/यथास्थल काउंसलिंग, महाविद्यालयों में रिक्त सीटों की उपलब्धता के आधार पर घोषित की जा सकती हैं।

महाविद्यालय का दृष्टिकोण एवं ध्येय

दृष्टिकोण – उद्योग जगत-शैक्षिक संस्थाानों का मजबूत गठबंधन बनाते हुए उच्च शैक्षणिक मानदंडों के सृजन को जारी रखते हुए और अनुसन्धान तथा विकास में अग्रणी भूमिका निभाते हुए विश्व के अग्रणी संस्थानों में से एक के रूप में उभरना है ताकि ढांचागत शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से प्रासंगिक ज्ञान का प्रसार करते हुए हमारे समाज के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने के समक्ष उत्पान्न विद्यमान एवं भावी चुनौतियों पर विजय पाने के लिए पेशेवर तैयार करते हुए समाज की सेवा की जा सके।

ध्येय – नई शताब्दी में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर सकने वाले चहुंमुखी प्रतिभासम्पन्न पेशेवरों की एक नई पीढ़ी का निर्माण करना और उसे पोषित करना। भावी पेशेवरों के बीच व्यावहारिक कार्यनीतियों को आत्मसात करना और उनका प्रसार करना तथा तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में संगठन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए उनकी समझ-बूझ को बढ़ावा देना हमारा प्रयास होगा।

शैक्षिक तालिका 2019–20

सैमेस्टर I/III/V	
कक्षाओं का आरम्भ	20 जुलाई, 2019 (शनिवार)
सैमेस्टर का मध्यकालीन अवकाश	7 अक्तूरबर, 2019 (सोमवार)
मध्यकालीन अवकाश के उपरान्त कक्षाओं का आरम्भ	14 अक्तूबर, 2019 (सोमवार)
कक्षाओं का विसर्जन, तैयारी हेतु अवकाश और प्रायोगिक परीक्षाओं का आरम्भ	16 नवम्बर, 2019 (शनिवार)
सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आरम्भ	30 नवम्बर, 2019 (शनिवार)
शीतकालीन अवकाश	17 दिसम्बकर, 2019 (मंगलवार)
सैमेस्टर II/IV/VI	
कक्षाओं का आरम्भ	1 जनवरी, 2020 (बुधवार)
सैमेस्टर का मध्यप्कालीन अवकाश	9 मार्च, 2020 (सोमवार
मध्यकालीन अवकाश के उपरान्त कक्षाओं का आरम्भ	16 मार्च, 2020 (सोमवार)
कक्षाओं का विसर्जन, तैयारी हेतु अवकाश और प्रायोगिक परीक्षाओं का आरम्भ	28 अप्रैल, 2020 (मंगलवार)
सैद्धान्तिक परीक्षाओं का आरम्भ	11 मई, 2020 (सोमवार)
ग्रीष्मकालीन अवकाश	26 मई, 2020 (मंगलवार)

प्रवेश विवरण

शैक्षणिक योग्यता

ए) उम्मीदवार को सी.बी.एस.ई. की सीनियर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा में मार्च/अप्रैल 2019 में पास होना चाहिए या दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समकक्ष माना गया कोई अन्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

बी) वर्तमान सत्र के कम्पार्टमेंट मामलों में प्रवेश के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

आवश्यक दस्तावेज

प्रवेश के समय मूल प्रमाण-पत्र और निम्नलिखित दस्तावेजों के स्वः सत्यापित फोटोप्रतियों के दो-सेट प्रस्तुत करने होगें। :

1. ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रवेश पत्र का प्रिंटआउट जिसमें कॉलेज के नाम और पाठ्यक्रम का उल्लेख हो।
2. कॉलेज का एडमिशन फार्म विधिवत भरा हुआ।
3. कक्षा 10 वीं बोर्ड परीक्षा प्रमाण पत्र, जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में।
4. कक्षा 10 वीं की अंकतालिका।
5. कक्षा 12 वीं की अंकतालिका।
6. कक्षा 12 वीं अन्तिम/मूल प्रमाण पत्र।
7. पिछले संस्थान से चरित्र प्रमाण पत्र (हाल ही का)।
8. सक्षम अधिकारी द्वारा जारी एससी/ एसटी/पीडब्ल्यूडी/सीडब्ल्यू/केएम/ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र (उम्मीदवार के नाम से)।
9. केंद्रीय सूची में उल्लिखित, ओबीसी (गैर-क्रीमी लैयर) प्रमाण पत्र (उम्मीदवार के नाम से)
10. स्कूल/कॉलेज के साथ-साथ बोर्ड/विश्वविद्यालय से माइग्रेशन सर्टिफिकेट उन छात्रों के लिए जरूरी है, जिन्होंने दिल्ली से बाहर सीनियर सेकेंडरी की परीक्षा पास की है।
11. पांच पासपोर्ट आकार की स्वः सत्यापित फोटाग्राफ।

विद्यार्थी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजो/कागजातों की स्वः सत्यापित प्रतियां विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकार की जाएंगी। यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि यह पाया जाता है कि किसी प्रकार का झूठा सत्यादपन/झूठे अभिलेख उपलब्ध कराए गए हैं तो विद्यार्थी को अगले पांच वर्षों तक विश्वविद्यालय या इसके महाविद्यालय (महाविद्यालयों) में किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा, इसके साथ ही उस पर भारतीय दंड संहिता की प्रासंगिक धारा (अर्थात 470, 471, 474 इत्यादि) के तहत एक आपराधिक मामला भी दर्ज किया जाएगा।

युद्ध के दौरान कार्रवाई में मारे गए/अयोग्यक हो गए सैनिकों, जम्मू एवं कश्मीर के विस्थापितों के बच्चे/विधवाएं

उपर्युक्तय में से किसी भी श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले अभ्यर्थियों द्वारा प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित तरीके के अनुसार स्वयं को दिल्ली विश्वविद्यालय में पंजीकृत कराना अपेक्षित होगा।

सीटों का आरक्षण

ए) 22.5 प्रतिशत सीटें एस.सी./एस.टी. अभ्यिर्थियों के लिए आरक्षित हैं (एस.सी 15 प्रतिशत और एस.टी. 7.5 प्रतिशत) आवश्यकता पड़ने पर अन्तर-परिर्वतनीय।

बी) 5 प्रतिशत सीटें युद्ध के दौरान कार्रवाई में मारे गए/अयोग्य हो गए सैनिकों (सी.डब्ल्यू.) के बच्चों/विधवाओं के लिए आरक्षित हैं (अतिरिक्त सीटें)।

सी) 27 प्रतिशत सीटें ओ.बी.सी. अभ्यर्थियों (नॉन क्रीमी लेयर, केन्द्र सूची) के लिए आरक्षित हैं।

डी) इस शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से 10 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई.डब्ल्यू.एस.) श्रेणी के लिए आरक्षित हैं।

ई) 5 प्रतिशत सीटें अक्षम व्यक्तियों (पी.डब्ल्यू.डी.) के लिए आरक्षित हैं (अतिरिक्त सीटें)।

खेल-कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश

महाविद्यालय में महिला उम्मीदवारों को निम्नलिखित के अनुसार विभिन्न प्रकार के खेल-कूद के लिए खेल-कूद श्रेणी में प्रवेश दिया जाता है। परिक्षण व इस सम्बन्ध में विचार दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा, विश्वविद्यालय की वेबसाइट (डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.डीयू.एसी.इन) पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों और अधिसूचनाओं के आधार पर किया जाएगा। प्रति खेल में चुने गए अभ्यर्थियों की संख्या अभ्यर्थियों के कौशल और गुणावगुण पर और टीम में स्थान की अपेक्षा पर निर्भर करेगी। नीचे तालिका में सूचीबद्ध किए गए खेलों के खिलाडियों का चयन, फिटनैस परीक्षण, प्रमाण-पत्रों की जांच और प्रासंगिक खेल के चयन की जांच पूरी होने के उपरान्त, मेरिट और शैक्षिक पाठ्यक्रम की अपेक्षाओं के आधार पर किया जाएगा।

क्रमांक	खेल	स्थान/घटना/वजन श्रेणी	खेल-कूद श्रेणी में कुल सीटें अंकों में	शब्दों में
1.	एथलेटिक्स	800 मीटर	01	एक
		1500 मीटर	01	एक
2.	बैडमिंटन	ईलीट खिलाड़ी	02	दो
3.	बॉस्कटबॉल	सैन्टर	01	एक
		फॉरवर्ड	01	एक
4.	चैस	ईलीट खिलाड़ी	02	दो
5.	खो-खो	रनर	02	दो
		चैजर	02	दो
6.	टेबल टेनिस	ईलीट खिलाड़ी	02	दो
7.	वॉलीबॉल	स्पाइकर	02	दो
		सैटर	01	एक
		लिबरो	01	एक

- महाविद्यालय के पास स्पोर्ट्स कोटा सीटों को बदलने का अधिकार सुरक्षित होगा।
- केवल महाविद्यालय के लिए प्रासंगिक खेलों के सम्बन्ध में क्षेत्रीय, अन्तर-क्षेत्रीय, राज्यीय, राष्ट्रीय और/अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए मूल प्रमाण-पत्रों पर ही विचार किया जाएगा।
- चयनित उम्मीदवारों को प्रवेश के समय 100/- रूपए के स्टाम्प पेपर पर एक शपथ-पत्र देना होगा कि ''वह अपने अंडरग्रेजुएट कोर्स के सभी वर्षों के दौरान महाविद्यालय और विश्वविद्यालय के लिए खेलेंगी।''
- सरकारी अस्पताल/रजिस्टर्ड मैडीकल प्रैक्टीशनर से एक चिकित्सा उपयुक्तता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

ई.सी.ए. कोटा 2019-20 के आधार पर प्रवेश के लिए दिशानिर्देश

महाविद्यालय ई.सी.ए. (एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज) श्रेणी में जैसे नृत्य, संगीत (स्वर और वाद्य दोनों), नाटक (नुक्कड़ नाटक), एन.एस.एस. आदि में प्रवेश प्रदान करता है। ई.सी.ए. कोटे के तहत कुल (12) सीटें उपलब्ध हैं। इस कोटे के तहत चुने गए छात्रों को आवश्यक रूप से संबंधित कॉलेज सोसायटी के सदस्य बनना होगा और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना होगा। इस कोटे के तहत चुने गए छात्रों को कॉलेज के इन नियमों और शर्तों को स्वीकार करने के स्वकृति-दस्तावेज पर हस्ताक्षर करके देना होगा।

क्रमांक	ई.सी.ए. गतिविधि	उप-श्रेणी	ई.सी.ए. श्रेणी में कुल सीटें अंकों में	शब्दों में
1	डांस	भारतीय शास्त्रीय नृत्य	01	एक
		भारतीय लोक नृत्य	01	एक
		पश्चिमी नृत्य	01	एक
		कोरियोग्राफी	01	एक
2	डिबेट	हिन्दी	01	एक
		अंग्रेजी	01	एक
3	संगीत	भारतीय	01	एक
4	वाद्य	तबला	01	एक
5	थिएटर		01	एक
6	एन.एस.एस.		01	एक
7	योगा		02	दो

पात्रता मापदंड

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश 2019–20

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक (यू.जी.) पाठ्यक्रमों में प्रवेश मेरिट–आधारित (कक्षा 12वीं बोर्ड/अर्हक परीक्षाओं में उत्तीर्ण अंक) या प्रवेश–आधारित (महत्वाकांक्षी छात्र द्वारा चयनित पाठ्यक्रम–वार यानी लिखित/व्यावहारिक परीक्षणों के आधार पर) हैं। सभी आवेदकों को दिल्ली विश्वविद्यालय के ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल http://admissions.du.ac.in के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। 2019–20 के लिए सभी स्नातक प्रवेश केवल इस पोर्टल के माध्यम से प्रशासित किए जाएंगे।

स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता मानदंड

- आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए। (विदेशी छात्र जो विदेशी छात्रों की श्रेणी के तहत प्रवेश के इच्छुक हैं, वे विदेशी छात्र रजिस्ट्री वेबसाइट http://fsr.du.ac.in पर अलग से आवेदन कर सकते हैं।)
- आवेदक को भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा मान्य 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त भारत में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय परीक्षा में कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करनी चाहिए।
- आवेदक को पाठ्यक्रम में योग्यता और योग्यता की गणना के लिए आवश्यक प्रत्येक विषय में व्यक्तिगत रूप से 'उत्तीर्ण' होना चाहिए, जिसमें वे प्रवेश के लिए योग्यता और पात्रता की गणना करते हैं। 'कमपार्टमेंट' परिणाम वाले आवेदक आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।
- स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के उद्देश्य से अंतर वर्ष(ओं) वाले आवेदक किसी भी नुकसान में नहीं होंगे।
- यू.आर./एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणियों के तहत आवेदक सभी कॉलेजों/विभागों (अल्पसंख्यक कॉलेजों को छोड़कर, जहां कुछ श्रेणियां लागू नहीं होती हैं) के पाठ्यक्रमों में योग्यता और प्रवेश परीक्षा दोनों के आधार पर प्रवेश पाने के लिए पात्र हैं।
- सिख और ईसाई अल्पसंख्यकों के आवेदक भी अल्पसंख्यक कोटा के तहत विश्वविद्यालय के अल्पसंख्यक कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं।
- निम्नलिखित श्रेणियां 'अतिरिक्त' नामित हैं : i) पी.डब्ल्यू.डी. (विकलांग व्यक्ति) iI) सी.डब्ल्यू. (पैरा–मिलिट्री सहित सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएं) iii) के.एम. (कश्मीरी प्रवासी) iv) जम्मू और कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति) v) एस.एस. (नामांकित सिक्किमी छात्र) vi) डब्ल्यू.क्यू. (वार्ड कोटा) vii) ई.सी.ए. (एक्स्ट्रा–करिकुलर एक्टिविटीज) viii) खेल–कूद।

ऊपर दिए गए श्रेणियाँ (i–viii) उन पाठ्यक्रमों पर लागू होते हैं जहाँ प्रवेश योग्यता के आधार पर होता है। केवल उपरिलिखित श्रेणियां i) और ii) उन पाठ्यक्रमों पर लागू होती हैं जहां प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर होता है।

अतिरिक्त पात्रता मानदंड

बी.ए.(ऑनर्स) मनोविज्ञान	• क्वालीफाइंग परीक्षा में अंकों की कुल संख्या 45 प्रतिशत। योग्यता का निर्धारण मनोविज्ञान एक भाषा और तीन सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक/ वैकल्पिक विषयों का आधार किया जायेगा जैसा कि सूची ए और बी में दिया गया है। • बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान में प्रवेश 'बेस्ट फोर' प्रतिशत पर आधारित होगा।
बी.बी.ए (एफ.आई.ए.) (बैचलर ऑफ बिजनैस एडमिनिस्ट्रेशन) बी.एम.एस. (बैचलर ऑफ (मैनेजमेंट स्टडीज)	• अर्हक परीक्षा में चार विषयों में – अंग्रेजी, गणित और सूची बी में शामिल दो अन्य विषय, 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करना। • चयन क्वालीफाइंग परीक्षा में प्राप्त अंकों व प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के संयुक्त भार के आधार पर निकाली गई रैंक से होगा जिसमें प्रवेश परीक्षा के अंकों का भार 65 प्रतिशत एवम् अर्हक अध्ययन परीक्षा के अंकों का भार 35 प्रतिशत होगा।
बी.एससी.(ऑनर्स) जैव रसायन विज्ञान	• अंग्रेजी में 50 प्रतिशत या अधिक अंक। • रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान/जैव रसायन/जैव प्रौद्योगिकी और गणित/भौतिकी में कुल अंकों का योग 60 प्रतिशत या उससे अधिक।
बी.एससी.(ऑनर्स) बायोमेडिकल विज्ञान	• अंग्रेजी में 50 प्रतिशत या अधिक अंक। • रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी और भौतिकी के कुल अंकों का योग 55 प्रतिशत या उससे अधिक। जिन छात्रों के पास रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी और भौतिकी के साथ गणित विषय (कम से कम 60 प्रतिशत अंक) है, उन छात्रों को रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान/जैव प्रौद्योगिकी और भौतिकी के कुल अंकों के योग में 3 प्रतिशत अंको का अतिरिक्त फायदा होगा।
बी.एससी.(ऑनर्स) भौतिकी / रसायन विज्ञान / इंस्ट्रूमेंटेशन / इलेक्ट्रानिक्स	• भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में कुल प्रतिशत 55 प्रतिशत होना चाहिए और एक अनिवार्य भाषा में 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। • चयन 3 विषयों यानी भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में कुल अंकों के आधार पर किया जाएगा।
बी.एससी.(ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान	• गणित, एक भाषा और दो अन्य सूचीबद्ध अकादमिक विषय। • अंक प्राप्त होने चाहिए : क) गणित में 60 प्रतिशत या अधिक अंक। ख) गणित, एक भाषा और दो सूचीबद्ध शैक्षणिक विषयों सहित कुल चार विषयों के 60 प्रतिशत या अधिक अंक। • प्रवेश, कक्षा XII में एक भाषा, गणित और भौतिकी, कैमिस्ट्री तथा कम्प्यूटर साईंस/इन्फ्रूमेंशन प्रैक्टिसिस में से किन्हीं दो विषयों सहित चार महत्वपपूर्ण शैक्षिक विषयों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर दिया जाएगा। अन्य संकायों से आने वाले विद्यार्थियों (कक्षा XII में गणित सहित) के लिए चार विषयों, अर्थात् गणित + एक भाषा + उस संकाय के दो अन्य शैक्षिक विषयों के लिए अपेक्षित कुल अंकों के 2 प्रतिशत की हानि होगी।

पात्रता मापदंड

बी.एससी.(ऑनर्स) फूड टेक्नॉलोजी	• पी.सी.एम. / पी.सी.बी./बी.टी. में कम से कम 55 प्रतिशत अंक हों और एक अनिवार्य भाषा (अर्थात अंग्रेजी) में कम से कम 50 प्रतिशत अंक होने चाहिएं। • चयन, पी.सी.एम. / पी.सी.बी./बी.टी. , जिसमें भी अधिक अंक हों, और एक अनिवार्य भाषा (अर्थात अंग्रेजी) के आधार पर किया जाएगा। पी.सी.एम.बी. विषय लिए हुए अभ्यार्थियों को 3 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।
बी.एससी.(ऑनर्स) मैथेमैटिक्स एवं स्टेटेस्टिक्स	• मैथेमैटिक्सअ, एक भाषा और शैक्षिक विषयों के रूप में सूचीबद्ध दो अन्य विषय (सूची बी)। • मैथेमैटिक्स में कम से कम 50 प्रतिशत अंक और अर्हक परीक्षा में कुल 45 प्रतिशत अंक। मेरिट का निर्णय एक भाषा, मैथेमैटिक्स और दो महत्वपूर्ण शैक्षिक/वैकल्पिक विषयों के आधार पर किया जाएगा।
बी.एससी.(ऑनर्स) माईक्रोबॉयोलॉजी	• फिजिक्स, कैमिस्ट्री, एवं बॉयोलॉजी/बॉयोटेक्नॉटलॉजी के कुल अंकों (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनों) का कम से कम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र। अंग्रेजी (अनिवार्य विषय) में कम से कम 50 प्रतिशत अंक।

सूची ए : भाषा विषय

सूची ए 1					सूची ए 2
असमिया कोर / असमिया वैकल्पिक	गुजराती कोर / गुजराती वैकल्पिक	मैथिली कोर / मैथिली वैकल्पिक	ओरिया कोर / ओरिया वैकल्पिक	तमिल कोर / तमिल वैकल्पिक	अरबी कोर / अरबी वैकल्पिक
बंगाली कोर / बंगाली वैकल्पिक	हिन्दी कोर / हिन्दी वैकल्पिक	मलयालम कोर / मलयालम वैकल्पिक	पंजाबी कोर / पंजाबी वैकल्पिक	तेलुगु कोर / तेलुगु वैकल्पिक	फ्रेंच कोर / फ्रेंच वैकल्पिक
बोडो कोर / बोडो वैकल्पिक	कन्नड़ कोर / कन्नड़ वैकल्पिक	मणिपुरी कोर / मणिपुरी वैकल्पिक	संस्कृत कोर / संस्कृत वैकल्पिक	उर्दू कोर / उर्दू वैकल्पिक	जर्मन कोर / जर्मन वैकल्पिक
डोगरी कोर / डोगरी वैकल्पिक	कश्मीरी कोर / कश्मीरी वैकल्पिक	मराठी कोर / मराठी वैकल्पिक	संथाली कोर / संथाली वैकल्पिक		इतालवी कोर / इतालवी वैकल्पिक
अंग्रेजी कोर / अंग्रेजी वैकल्पिक	नेपाली कोर / नेपाली वैकल्पिक	कोंकणी कोर / कोंकणी वैकल्पिक	सिंधी कोर / सिंधी वैकल्पिक		स्पेनिश कोर / स्पेनिश वैकल्पिक

सूची बी : वैकल्पिक विषय

अकाउंटेंसी	कम्प्यूटर साइंस / कम्प्यूटर एपलिकेशनस / इनफारमैटिक्स प्रैक्टिसस	मैथमैटिक्स	एंथ्रोपोलॉजी	इकोनॉमिक्स
फिलॉसफी / तर्क और फिलॉसफी	जीव विज्ञान / बॉयोकेमिस्टी / जैव प्रौद्योगिकी	भूगोल	भौतिकी	व्यवसायिक गणित
भूविज्ञान	राजनीतिक विज्ञान	रसायन विज्ञान	इतिहास	मनोविज्ञान
नागरिक शास्त्र	गृह विज्ञान	समाजशास्त्र	कानूनी अध्ययन	सांख्यिकी
वाणिज्य / बिजनेस स्टडीज	–	–	–	–

नोट : विश्वविद्यालय किसी अन्य प्रासंगिक विषयों को किसी विशेष पाठ्यक्रम के लिए अकादमिक / वैकल्पिक रूप में परिभाषित कर सकता है। यदि आवेदक ने वैकल्पिक और मूल भाषाओं का अध्ययन किया है, तो मूल / वैकल्पिक भाषा विषय को भाषा के रूप में माना जाएगा, जबकि वैकल्पिक भाषा को अकादमिक / वैकल्पिक विषय माना जा सकता है।

महाविद्यालय के बारे में

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार द्वारा वित्त पोषित शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लायड सांइसेज फॉर वीमैन की सीापना 1989 में हुई थी। इस महाविद्यालय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं :

क्रम सं.	पाठ्यक्रमों के नाम	क्रम सं.	पाठ्यक्रमों के नाम
1.	बी.एससी. (आनर्स), बॉयोकैमिस्ट्री	8.	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
2.	बी.एससी. (आनर्स), बॉयोमैडिकल सांइस	9.	बी.एम.एस. (बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)
3.	बी.एससी. (आनर्स), कैमिस्ट्री	10.	बी.एससी. (आनर्स), गणित
4.	बी.एससी. (आनर्स), कम्प्यूटर सांइस	11.	बी.एससी. (आनर्स), माइक्रोबॉयोलॉजी
5.	बी.एससी. (आनर्स), इलैक्ट्रॉनिक्स	12.	बी.एससी. (आनर्स), भौतिकी विज्ञान
6.	बी.एससी. (आनर्स), खाद्य प्रौद्योगिकी	13.	बी.ए. (आनर्स), साइकॉलॉजी
7.	बी.एससी. (आनर्स), इंस्ट्रूमेंटेशन	14.	बी.एससी. (आनर्स), सांख्यिकी

ये पाठ्यक्रम एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं जहां विद्यार्थी विश्व्यापी चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना करने के लिए आवश्यक और व्यावहारिक ज्ञान अर्जित करते हैं। वर्तमान में, इस महाविद्यालय में देश के विभिन्न भागों से आने वाले लगभग 1000 छात्र हैं।

महाविद्यालय में सुशिक्षित एवं सक्षम संकाय सदस्य हैं। सीखने, न सीखने और पुनः सीखने की योग्यता शिक्षण प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। महाविद्यालय में शिक्षण का सार यह है कि अध्यापक और विद्यार्थी के बीच अंतराल को विलीन कर दिया गया है, अध्यापक और विद्यार्थी एक ही प्रक्रिया के अंश हैं। महाविद्यालय में कुशल सहायक कर्मचारी हैं, जो विभिन्न प्रयोगशालाओं और महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों के सुचारू कार्यकरण के लिए उत्तरदायी हैं।

नियमित पाठ्यक्रमों के अलावा यह महाविद्यालय विभिन्न विधाओं में अल्पकालिक कार्यशालाओं और व्याख्यानों का आयोजन करता है। सिस्को (सी.आई.एस.सी.ओ.) के सहयोग से यह महाविद्यालय एक सिस्को नेटवर्किंग अकादमी का संचालन करता है और विद्यार्थियों को सी.सी.एन.ए. उद्योग प्रमाणन के लिए तैयार करता है। लाइब्रेरी ऑटोमेशन और नेटवर्किंग में पी.जी. डिप्लोमा हेतु, इस महाविद्यालय में, इंदिरा गांधी मुक्त राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (आई.जी.एन.ओ.यू.) का एक केन्द्र भी है।

यह महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को खेल-कूद और सम-सामयिक गतिविधियों में भी आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। इस महाविद्यालय में – मुखौटा (नुक्कड़ नाटक सोसायटी), अहारया (डांस सोसायटी), फिलिरया (संगीत सोसायटी), एल्विरा (फाइन आर्ट सोसायटी), शफ्फल शॉट्स (फोटोग्राफी क्लब), ग्लैमफायर (फैशन सोसायटी), इंकलिंग्ज (साक्षरता सोसायटी), इको क्लब, मूवी क्लब, रोबोटिक्स क्लब, यूथ पार्लियामेंट और एन.एस.एस. जैसी अनेक सोसायटियां हैं।

आई॰क्यू॰ए॰सी॰@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

चूंकि गुणवत्ता का उन्नवयन करना एक सतत् प्रक्रिया है, आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति (आई.क्यू.ए.सी.) महाविद्यालय की व्यवस्थान का एक भाग है जो गुणवत्ता के पालन तथा उसके संपोषण के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करती है। आई.क्यू.ए.सी. का प्रमुख कार्य, महाविद्यालय के लिए अभिज्ञता, अनुकूलता की एक प्रणाली तैयार करना और महाविद्यालय के निष्पादन में समग्र रूप से उत्प्रेरक सुधार लाना है। छात्रों, अभिभावकों और पुरातन छात्रों से प्राप्त फीडबैक प्रत्युत्तर के आधारपर सुधार का एक सतत् प्रक्रिया बन जाती है। परिणाम विश्लेषण, हमारी मजबूती को मापने का एक महत्ववपूर्ण मापदंड है। महाविद्यालय द्वारा, विद्यार्थियों और स्टॉफ के सम्पूवर्ण विकास के लिए अन्तः महाविद्यालय और अन्तरं महाविद्यालय कार्यशालाओं, सेमिनारों, गतिविधियों इत्यादि का सक्रिय रूप से आयोजन किया जाता है। विद्यार्थी-अध्यापक के बीच परस्पर-क्रिया का एक अन्य पहलू प्रत्येक विद्यार्थी का संरक्षण है।

स्टॉफ@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

शिक्षण स्टॉफ

गैर-शिक्षण एवं प्रशासनिक स्टॉफ

संकाय

प्रधानाचार्य
एस.आर.सी.ए.एस.डब्लयू., डी.यू.

डॉ. पायल मागो[1]
पीएच.डी. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोलॉजी विभाग

डॉ. रेखा मेहरोत्रा[#2]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (जेनेटिक्स), एम.फिल. (बॉटनी),
एम.एससी. (बॉटनी) दिल्ली विश्वविद्यालय

बॉयोकैमिस्ट्री विभाग

डॉ. साधना जैन[#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री), एम.एससी.
(बॉयोकैमिस्ट्री), दिल्ली विश्विविद्यालय

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग

डॉ. राधिका बक्शी[#3]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पी.एचडी. (बॉयोकैमिस्ट्री) ए.आई.आई.एम.एस.,
एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री) दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. श्रुति बंसवाल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी एवं बॉयोटेक्नालॉजी)
आई.ए.आर.आई., दिल्ली, एम.एससी. (प्लांट मोलिक्यूलर बॉयोलॉजी)
दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. वर्षा मेहरा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोमेडीकल साईंस), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (बॉयोटेक्नालॉजी), जे.एन.यू.

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग

डॉ. मौ. साकिब अन्सारी
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोकैमिस्ट्री), एम.एससी. (बॉयोकैमिस्ट्री)
बुन्देलखंड विश्वविद्यालय

डॉ. इन्दु अरोड़ा
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (कैमिस्ट्री), एम.एससी. (कैमिस्ट्री)
दिल्ली विश्वविद्यालय

कैमिस्ट्री विभाग

डॉ. जसजीत कौर[#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (बॉयोटेक्नालॉजी), एम.एससी. (कैमिस्ट्री),
पंजाब विश्वीविद्यालय, पटियाला

कम्प्यूटर साईंस विभाग

डॉ. सुरुचि चावला
(सहायक प्रोफेसर)
पीएच.डी. (सी.एस.), दिल्ली विश्वविद्यालय,
एम.टेक. (सी.एस.ई.), कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय

कम्प्यूटर साईंस विभाग

सुश्री दीपाली बजाज[#]
(सहायक प्रोफेसर)
एम.फिल. (कम्प्यूटर साईंस), मदुरई कामराज
विश्वविद्यालय, एम.सी.ए. (इग्नू), दिल्ली

डॉ. आकांक्षा
(सहायक प्रोफेसर) पीएच.डी. (सी.एस.), डी.यू.
एम.फिल. (सी.एस.), मदुरई कामराज विश्वविद्यालय,
एम.एससी. (सी.एस.), बनस्थली विद्यापीठ

सुश्री वेनिका गुप्ता[#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

सुश्री प्रीति सिंघल
(एसोसिएट प्रोफेसर)
एम.फिल. (इलैक्ट्रॉनिक्स), एम.एससी.
(इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. अमिता कपूर
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (ऑप्टो-इलैक्ट्रॉनिक्स), दिल्ली विश्वविद्यालय
एम.एससी. (इलैक्ट्रॉनिक्स), जामिया मिलिया इस्लामिया

डॉ. दीपा जोशी[#]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (डेयरी), एन.डी.आर.आई., करनाल,
एम.एससी. (एफ.टी.), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

फूड टेक्नॉलॉजी विभाग

डॉ. रंजना सिंह
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (फूड टेक्नॉलॉजी), एम.एससी.
(फूड टेक्नॉलॉजी), जी.बी.पन्त विश्वविद्यालय

सुश्री परा ढोलकिया
(सहायक प्रोफेसर)
एम.एससी. (फूड एंड न्यूट्रीशन),
एम.एस., बड़ौदा विश्वविद्यालय

इन्स्ट्रूमेंटेशन विभाग

डॉ. दया भारद्वाज
(सहायक प्रोफेसर)
पीएच.डी., टी.ई.आर.आई. विश्वविद्यालय, एम.एससी.
(एम.आई.सी.ए.) जीवाजी विश्वविद्यालय

डॉ. स्नेहा काबरा[#]
(सहायक प्रोफेसर)
पीएच.डी. (इलैक्ट्रॉनिक्स),
एम.एससी. (इलैक्ट्रॉनिक्स), डी.यू.

मैथेमैटिक्स विभाग

डॉ. पुनीता सक्सेना[#4]
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (मैथेमैटिक्स), जामिया मिलिया इस्लामिया,
एम.फिल., एम.एससी. (मैथेमैटिक्स), विश्वविद्यालय

भौतिकी विज्ञान विभाग

डॉ. अलका वोहरा कुंऑर
(एसोसिएट प्रोफेसर)
पीएच.डी. (भौतिकी), एम.एससी. (भौतिकी),
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रभारी प्राध्यापक, संबंधित विभाग | 1 समन्वयक, वित्तीय और प्रबंधन अध्ययन विभाग |
2 समन्वयक, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग | 3 समन्वयक, मनोविज्ञान विभाग | 4 समन्वयक, सांख्यिकी विभाग

बॉयोकैमिस्ट्री विभाग

यह विभाग बी.एससी. (आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री को संचालित करता है जो कि छह सैमेस्टरों वाला एक त्रि-वर्षीय कार्यक्रम है। इसके पाठ्यक्रम में जीवन के अणुओं का अध्ययन, कोशिका का व्यापक भ्रमण, प्रोटीन, एन्जाइम और मानव के स्वाथ्य और बीमारियों के साथ उनके सह-सम्बन्धक, पोषाहार, मेटाबॉलिज्मम, इमम्यूनॉलॉजी, जेनेटिक्स, अणु बॉयोलॉजी जैसे कुछ नाम शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम मुख्य कार्यक्रमों का चयन करने के लिए विद्यार्थियों को बढ़ावा देता है और अन्य पाठ्यक्रमों की तुलना में उद्योग-जगत की विभिन्नक विधाओं में भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्यों के लिए विद्यार्थियों को ज्ञान देता हैं।

यह विभाग शैक्षिक ब्लॉक के भू-तल पर स्थित है। प्रयोगशालाएं, तुलाओं, पी.एच.मीटर से लेकर यू.वी. विजीबल स्पैक्ट्रोफोटोमीटर तक के उपकरणों से भली-भांति सुसज्जित हैं और अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम के लिए हर प्रकार की प्रयोगात्मक परिक्षणों के लिए रेफ्रीजरेटिड अपकेन्द्रण यन्त्र मौजूद हैं। यह प्रयोगशाला नूतन परियोजनाओं को तैयार करने के लिए अनुसन्धान कार्य में भी रत है। विद्यार्थियों को उद्योग-जगत के साथ-साथ अनुसन्धान में भी अपने कौशल का विकास करने के लिए भवन के ब्लॉकों में स्पैपक्ट्रोस्कोपी और वर्णलेखन की सुविधा उपलब्ध है। बॉयोकैमिस्ट्री की प्रयोगशाला में इनक्यूकबेटर, फ्रैक्शन कलेक्टर्स, सेन्ट्रीफ्यूग्स, यू.वी. विजीबल स्पैरक्ट्रोफोटोमिटर, इलैक्ट्रिकल एवं एनालेटिक्ल बैलेंस मौजूद हैं। इसमें वैक्यूम डेस्सीकेटर, हॉट एयर ओवन, यूनिवर्सल ओवन, इलैक्ट्रोफोरेटिक अप्रेटस, मैगनेटिक स्टियर, क्रोमैटोग्राफी चैम्बमर और इलैक्ट्रिक टिश्यू ग्राईन्डर भी उपलब्ध हैं।

विभाग में विद्यार्थियों की सोसायटी ''विनक्यूलम'' द्वारा विद्यार्थियों को वर्तमान अनुसन्धान विकास के बारे में जानकारी देने के लिए प्रख्यात हस्तियों को आमंत्रित करते हुए, सेमिनारों और पारस्परिक संवाद सत्रों का आयोजन किया जाता है।

विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में आने वाले नए परिवर्तनों से परिचित करवाने के लिए विभिन्न शैक्षिक एवं औद्योगिक संस्थानों के शैक्षिक दौरों का आयोजन किया जाता है। इससे उनको उच्च शिक्षा प्राप्त करने या औद्योगिक कार्य करने में व अपने कैरियर का चयन करने में भी सहायता मिलती है। पिछले सैमेस्टर में विद्यार्थियों ने डाबर अनुसन्धान फाउंडेशन का दौरा किया था, जो कि अन्तर्राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल कम्पंनियों के लिए प्री-क्लिनिकल दवाओं के प्रमाणीकरण पर कार्य कर रही एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला है और कैंसर के लिए सस्ती देशी जीवनरक्षक दवाएं और कीमोथेरापिक दवाओं को विकसित कर रही है।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए हमें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण की आवश्यकता है, यह हम सब की जिम्मेदारी है कि हम अपने पर्यावरण का ध्यान रखें, इस दिशा में एक अभियान, ''प्लास्टिक के लिए न कहें'' चलाया जा रहा है जिसका अनुसरण बड़ी निष्ठा से किया जा रहा है और प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को सेरेमिक का एक कप दिया गया है।

शिक्षा के अतिरिक्त हमारा लक्ष्य, विद्यार्थियों का समग्र विकास करना है, विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर के बारे में जानकारी देने के लिए विभिन्न त्योहारों का आयोजन भी किया जाता है।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : मॉलिक्यूल्स ऑफ लाईफ सी-II : सेल बॉयोलॉजी एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. जीई-I : जैनेरिक इलैक्टिव	सी-III : प्रोटीन सी-IV : एन्जोईम्सि एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. जीई-II : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : मेटाबॉलिज्म ऑफ कार्बोहाईड्रेट्स एंड लिपिड्स सी-VI : मेम्ब्रेन बॉयोलॉजी एंड बॉयोजेनेटिक्स सी-VII : हारमोन - बॉयोकैमिस्ट्री एवं कार्य एसईसी-I : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : ह्यूमन फिलॉसफी सी-IX : जीन आर्गेनाईजेशन, रेपलिकेशन एंड रिपेयर सी-X: मेटौबालिज्म ऑफ अमीनो एसिड्स एंड न्यूक्लिओटाईड्स एसईसी-II : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : कानसेप्ट्स इन जेनेटिक्स सी-XII : जेनेटिक एक्सइप्रेशन एंड रेग्यूलेशन डीएसई-I : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बॉयोटेक्नॉकलॉजी सी-XIV : इम्मटयूनॉलॉजी डीएसई-III : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-IV : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनरिक इलैक्टिव प्रश्नपत्र (अन्य विभागों के लिए)

(सैमेस्टर I-V के दौरान प्रति सैमेस्टर कोई एक)

1. कोशिका की बॉयोकैमिस्ट्री
2. प्रोटीन एवं एन्जासईम्स
3. इन्टरमिडिएरी मेटाबॉलिज्म
4. जीन आर्गेनाईजेशन, एक्सप्रेशन एंड रेग्यूलेशन
5. फंडामेंटल्स ऑफ सेल बॉयोलॉजी एंड इम्यूनॉलॉजी
6. फंडामेंटल्स ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग
7. बीमारियों में बॉयोकेमिकल सह-सम्बन्ध

स्किल एन्हान्समेंट कोर्स

(सैमेस्टर III-IV के दौरान प्रति सैमेस्टर कोई एक)

1. बॉयोकैमिस्ट्री के टूल्स एवं तकनीकें
2. प्रोटीन प्यूरिफिकेशन तकनीकें
3. क्लीनिकल बॉयोकैमिस्ट्री
4. बॉयोइन्फार्मेटिक्स
5. रिकॉम्बिएन्ट डी.एन.ए. प्रौद्योगिकी

डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

(सैमेस्टर V-VI के दौरान प्रति सैमेस्टर कोई दो)

1. न्यूट्रीशनल बॉयोकैमिस्ट्री
2. अनुसन्धान के तौर-तरीके
3. मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ नॉन-इन्फैक्शियस ह्यूमन डिजेजिस
4. मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ इन्फैक्शियस डिजेजिस
5. अनुसन्धान परियोजना
6. एडवांस सेल बॉयोलॉजी
7. प्लांन्ट बॉयोकैमिस्ट्री
8. बेसिक माइक्रोबॉयोलॉजी

बॉयोमेडिकल सांइस विभाग

बॉयोमेडीकल साईंस से अभिप्राय बॉयोलॉजी आधारित साईंस के मेडीकल उपयोग से है। बी.एससी. (आनर्स) बॉयोमेडीकल साईंस एक त्रि-वर्षीय पाठ्यक्रम है, जिसे चिकित्सा एवं उससे सम्बन्धित ह्यूमन फिजियॉलॉजी, जेनेटिक्स, बॉयोकैमिस्ट्री, इम्म्यूनॉलॉजी, पैथोलॉजी एवं माईक्रोबॉयोलॉजी जैसी विधाओं का ज्ञान प्राप्त करने के उद्देश्य से शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लॉयड साईंसेज फॉर वीमैन में सन् 2005 में आरम्भ किया गया था।

इसके पाठ्यक्रम के बॉयोइन्फार्मेटिक्स, बॉयोफिजिक्स, टॉक्सिकोलॉजी, स्टेटिस्टिक्स, बॉयोटेक्नॉलॉजी, कम्यूटेशनल बॉयोलॉजी और मेडीसिनल कैमिस्ट्री जैसे विषय इसे वस्तुतः बहुविषयक बनाते हैं जो वर्तमान परिदृश्य में अनुसन्धान की आवश्यकता है। विभाग की अत्याधुनिक प्रयोगशाला, थर्मोसाइकलर, यू.वी. स्पैयक्ट्रोफोटोमीटर, जैल इलैक्ट्रोफोरेसिस यूनिट्स, सेन्ट्रीफ्यूग्स इनक्यूबरेटर्स, शेकर्स, आटोक्लेवस और रोटरी वैक्यूम, लैमीनार फ्लो सहित आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है जो प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को विषयों के साथ सैद्धान्तिक ज्ञान भी प्रदान करते हैं।

बॉयोमेडीकल साईंस विभाग में विद्यार्थियों की एक सोसायटी ''कीमेरा'' है जो प्रख्यापत शिक्षाविदों और उद्यमियों के साथ सेमिनारों और चर्चा सत्रों का आयोजन करती है ताकि उन्हें आधुनिक अनुसन्धान विकासों के प्रति सचेत किया जा सके। कीमेरा के द्वारा एक वार्षिक विभागीय वैज्ञानिक त्यौहार ''प्लीक्सस'' का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें विद्यार्थियों को भागीदारी करने, चर्चा करने और अपने समग्र व्यैहक्तिक विकास को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग द्वारा सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है।

विभाग का संकाय अनुसंधान कार्य में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विगत वर्ष में इस विभाग ने दिल्ली विश्वविद्यालय की छः ऐसी नवीनतम परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है जिनमें अल्पष्कालिक अनुसंधान परियोजनाओं में अंडर-ग्रेजुएट विद्यार्थियों की भागीदारी थी। आर.सी.बी., डॉबर, एन.बी.आर.सी. और आई.सी.जी.ई.बी. जैसी विभिन्नट प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं के दौरे भी किए गए।

बॉयोमेडीकल साईंस के पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को अनुसंधान के बेसिक और एप्लॉयड साईंस, दोनों, क्षेत्रों में कैरियर के लिए ज्ञान और हस्तांतरणीय कौशल प्रदान किया जाता है। इस पाठ्यक्रम से ग्रेजुएशन करने वाले विद्यार्थी फार्मास्युटिकल कंपनियों में नौकरी कर सकते हैं तथा टी.आई.एफ.आर., भारतीय विज्ञान संस्थान (आई.आई.एससी.), एन.आई.आई., जवाहरलाल नेहरू विश्वरविद्यालय (जे.एन.यू.) जैसे प्रतिष्ठित संस्थायनों में उच्चतर शिक्षा भी प्राप्त कर सकते हैं। यह पाठ्यक्रम, किसी नैदानिक प्रयोगशाला की स्थापना, उद्योगों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए फ्री-लांस लाइसेंस इंस्पेक्टर, वाणिज्यिक रूप से उपलब्धी उत्पादों के उत्पादन के लिए बॉयोटेक्नॉलॉजी यूनिट की स्थापना जैसे स्व-रोजगार के साथ-साथ एप्लॉयड बॉयलॉजी के किसी क्षेत्र में अनुसंधान करने के इच्छुक लोगों को अंतहीन अवसर उपलब्ध कराता है।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (आनर्स) बॉयोमेडीकल साईंस

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : बॉयोकैमिस्ट्री सी-II : कोशिका एवं रेडिएशन बॉयोलॉजी एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. जीई-I : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-III : प्रोटीन सी-IV : एन्जाईम्स एईसीसी-II : ई.वी.एस. अथवा अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन जीई-II: जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : बॉयोकैमिस्ट्री सी-VI : ह्यूमन फिजियोलॉजी एवं एनाटॉमी II सी-VII : मेडीकल बॉयोलॉजी एसईसी-I : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : इम्मयूनॉलॉजी सी-IX : मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी सी-X : मेडीसिनल कैमिस्ट्री एसईसी-II : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : बॉयोफिजिक्स सी-XII : फार्माकॉलॉजी डीएसई-I: डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : ह्यूमन पैथोलॉजी सी-XIV : टॉक्सिकॉलॉजी डीएसई-III : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-IV : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनरिक इलैक्टिव 1–4 : जेनरिक इलैक्टिव प्रश्न-पत्र
(अन्य विभागों के लिए)
(सैमेस्टर 1–4 के दौरान प्रति सैमेस्टर एक)

1. बेसिक्स ऑफ इम्मयूनॉलॉजी
2. बॉयोलॉजिक्ल कैमिस्ट्री
3. बॉयोसेफ्टी एवं बॉयोऐथिक्स
4. बॉयोस्टेटेस्टिक्स
5. ब्रिजिग इन्फासर्मेशन टेक्नॉलॉजी एंड बॉयोटेक्नॉलॉजी
6. कान्सेप्ट्स इन बॉयोटेक्नॉलॉजी
7. कान्सेप्ट्स इन मेडीसिनल कैमिस्ट्री एंड ड्रग डेवलपमेंट
8. बॉयोलॉजिस्टों के लिए इंटलैक्व्यूअल प्रोपर्टी राईट्स (आई.पी.आर.)
9. पैथेलॉजिक्ल बेसिस ऑफ डिजीज
10. फार्माकॉलॉजी एंड टॉक्सिकॉलॉजी
11. टूल्स एंड मॉडल आर्गेनिज्म इन बॉयोमेडीकल रिसर्च

एसईसी 1–2 : स्किल एन्हान्समेंट कोर्सेज
(सैमेस्टर 3–4 के दौरान प्रति सैमेस्टर कोई एक)

1. एपीडेमियोलॉजिकल डाटा एनेलेसिस (ई.डी.ए.) के तरीके
2. मेडीकल लैबोरेट्री डायग्नोस्टिक्स (एम.एल.डी.)
3. फोरेंसिक साईंस की तकनीकें
4. टूल्स इन मार्डन बॉयोलॉजी

डीएसई 1–4 : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव
(सैमेस्टिर 5–6 के दौरान प्रति सैमेस्टर कोई दो)

1. कम्प्यूटेशनल बॉयोलॉजी एंड ड्रग डिस्कवरी
2. जेनोम आर्गेनाईजेशन एवं फंक्शन
3. ह्यूमन जेनेटिक्स
4. मेडिकल बॉयोकैमिस्ट्री
5. मेडिकल बॉयोटेक्नॉलॉजी
6. परियोजना कार्य (केवल सैमेस्टर 6 में चुना जा सकता है।)

कैमिस्ट्री विभाग

कैमिस्ट्री विभाग द्वारा बी.एससी. (आनर्स) कैमिस्ट्री में एक त्रि-वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। विभाग में एक अनुसन्धान प्रयोगशाला सहित चार भली-भांति सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। ये प्रयोगशालाएं कैमिस्ट्री की तीन मुख्य शाखाओं अर्थात् इनआर्गेनिक, आर्गेनिक और फिजिकल कैमिस्ट्री की आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। अनुसन्धान प्रयोगशाला में नूतन परियोजनाओं सहित अनेक अनुसन्धान परियोजनाएं चलाई जाती हैं।

ये प्रयोगशालाएं, यूवी-विस स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, इलैक्ट्रानिक बैलेंसिस, सेन्ट्रीफ्यूग-माईक्रोप्रोसेसर आधारित 16,000 आरपीएम के हॉट प्लेट युक्त मैगनेटिक स्टिररों, वोरटेक्स शेकरों, रोटरी वैक्यूम पम्पों, डिजिटल पीएच मीटरों, डिजिटल एवं इलैक्ट्रिकल मेलटिंग यन्त्रों, डिस्टिलेशन यूनिटों, फ्यूम हुड्स इत्याआदि जैसे विभिन्न उपकरणों से सुसज्जित हैं।

इस विभाग के विद्यार्थियों द्वारा पाठयक्रम की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया जाता है और वे विभिन्न सोसायटियों के सदस्य हैं। इसके साथ-साथ, क्षेत्र में होने वाली विभिन्न नूतन खोजों और विकास से स्वयं को अवगत कराने के लिए वे राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों और सेमिनारों में भी भाग लेते हैं।

विभाग में एक सक्रिय कैमिकल सोसायटी ''अलकैमी'' है जिसमें विद्यार्थी एंव अध्यातपक क्लॉस रूम से बाहर परस्पर चर्चा करते हैं। यह सोसायटी अपने सदस्यों को विश्व-स्तर पर हुए आधुनिक विकास के बारे में जानकारी देने के लिए नियमित रूप से प्रसिद्ध लेक्चरों का आयोजन करती है। विभाग द्वारा तकनीकी त्यौहार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिनका उद्देश्य शिक्षण संकाय और अर्ध-शिक्षण संकाय का ज्ञानवर्धन करना है। शैक्षिक भ्रमणों के माध्यम से विद्यार्थियों को क्लाम रूम के बाहर भी शिक्षा प्रदान की जाती है।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (आनर्स) कैमिस्ट्री

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. कोर कोर्स-I : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I कोर कोर्स-II : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-I कोर कोर्स-I : प्रैक्टिकल इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I प्रयोगशाला कोर कोर्स-II : प्रैक्टिकल फिजिक्ल कैमिस्ट्री-I प्रयोगशाला जेनेरिक इलैक्टिव-1	एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. कोर कोर्स-III : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I कोर कोर्स-IV : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-II कोर कोर्स-III : प्रैक्टिकल : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I प्रयोगशाला कोर कोर्स-IV : प्रैक्टिकल : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-II प्रयोगशाला जेनेरिक इलैक्टिव-2
सैमेस्टर 2	**सैमेस्टर 4**
कोर कोर्स-V : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II कोर कोर्स-VI : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II कोर कोर्स-VII : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-III कोर कोर्स-V : प्रैक्टिकल : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II प्रयोगशाला कोर कोर्स-VI : प्रैक्टिकल : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II प्रयोगशाला कोर कोर्स-VII : प्रैक्टिकल : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-III प्रयोगशाला स्किल एन्हान्समेंट कोर्स-I जेनेरिक इलैक्टिव-3	कोर कोर्स-VIII : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-III कोर कोर्स-IX : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-III कोर कोर्स-X : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-IV कोर कोर्स-VIII : प्रैक्टिकल : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-III प्रयोगशाला कोर कोर्स-IX : प्रैक्टिकल : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-III प्रयोगशाला कोर कोर्स-X : प्रैक्टिकल : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-IV प्रयोगशाला स्किल एन्हान्समेंट कोर्स-2 जेनेरिक इलैक्टिव-4
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 6**
कोर कोर्स-XI : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-IV कोर कोर्स-XII : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-V डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-1 डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-2 कोर कोर्स-XI : प्रैक्टिकल : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-IV प्रयोगशाला कोर कोर्स-XII : प्रैक्टिकल : फिजिक्ल कैमिस्ट्री-V प्रयोगशाला डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-1 प्रैक्टिकल डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-2 प्रैक्टिकल	कोर कोर्स-XIII : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-IV कोर कोर्स-XIV : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-V डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-3 डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-4 कोर कोर्स-XIII : प्रैक्टिकल : इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-IV प्रयोगशाला कोर कोर्स-XIV : प्रैक्टिकल : आर्गेनिक कैमिस्ट्री-V प्रयोगशाला डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-3 प्रैक्टिकल डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव-4 प्रैक्टिकल

कोर प्रश्नपत्र

1. इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I : एटॉमिक स्ट्रक्चर एंड कैमिकल बॉडिंग
2. फिजिक्ल कैमिस्ट्री-I : स्टेट ऑफ मैटर एंड ऑयोनिक इक्विलिबरियम
3. आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I : बेसिक्स एंड हाईड्रोकार्बन्स
4. फिजिक्ल कैमिस्ट्री-II : कैमिकल थर्मोडॉयनामिक्स और इसका लागू होना
5. इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II : एस एंड पी ब्लॉक ऐलीमेंट्स
6. आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II : फंक्शनल समूहों में मौजूद ऑक्सीजन
7. फिजिक्ल कैमिस्ट्री-III : फेज इक्विलिबरिया एंड इलैक्ट्रोकैमिकल सैल्स
8. इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-III : को-आर्डिनेशन कैमिस्ट्री
9. आर्गेनिक कैमिस्ट्री-III : हीटरोसाइकलिक कैमिस्ट्री
10. फिजिक्ल कैमिस्ट्री-IV : कन्डकटेन्स एंड कैमिकल काइनेटिक्स
11. आर्गेनिक कैमिस्ट्री-IV : बॉयोमॉलिक्यूकल्स
12. फिजिक्ल कैमिस्ट्री-IV : क्वान्ट्म कैमिस्ट्री एंड स्पैक्ट्रोस्कोपी
13. इन-आर्गेनिक कैमिस्ट्री-IV : ऑर्गनोमैटेलिक कैमिस्ट्री
14. आर्गेनिक कैमिस्ट्री-V : स्पैक्ट्रोस्कोपी

डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव प्रश्न पत्र (प्रत्येक का क्रेडिट : 06)
(4 प्रश्नपत्र चुने जाएंगे) (अन्य विभाग के लिए)
डीएसई 1 : निम्नलिखित में से कोई एक चुनें

1. नोवल इन-आर्गेनिक सॉलिड्स
2. इन-आर्गेनिक मैटेरियल्स ऑफ इंडस्ट्रियल इम्पोर्टेन्स

डीएसई 2-4 : निम्नलिखित में से कोई तीन चुनें

1. एप्लीकेशन्स ऑफ कम्पयूटर्स इन कैमिस्ट्री
2. एनालॉटिक्ल मैथड्स इन कैमिस्ट्री
3. मॉलिक्यूलर मॉडलिंग एंड ड्रग डिजाईन
4. पॉलिमर कैमिस्ट्री
5. कैमिस्ट्री के लिए अनुसन्धान के तौर-तरीके
6. ग्रीन कैमिस्ट्री
7. इंडस्ट्रियल कैमिकल्स एंड एन्वॉयरोमेंट
8. विश्लेषण के इन्स्ट्रूमेंटल तरीके
9. डिससरटेशन

अन्य विधाएं : जीई 1 से जीई 4

1. मैथेमैटिक्स
2. फिजिक्स
3. कम्पयूटर साईंस

स्किल एन्हान्स्मेंट कोर्सेज

1. आई. टी. स्किल्स फॉर कैमिस्ट्स
2. बेसिक एनालिटिकल कैमिस्ट्री
3. कैमिकल टेक्नॉलॉजी एंड सोसायटी
4. कैमोइनफार्मेटिक्स
5. बिजनेस स्किल्स फॉर कैमिस्ट्स
6. इंटलैक्च्यूअल प्रोपर्टी राईट्स
7. एनालिटिकल क्लीनिकल बॉयोकैमिस्ट्री
8. ग्रीन मैथड्स इन कैमिस्ट्री
9. फार्मास्युटिकल कैमिस्ट्री
10. कैमिस्ट्री ऑफ कॉस्मेटिक्स एंड परफ्यूम्स
11. पेस्टीटसाईड कैमिस्ट्री
12. फ्यूल कैमिस्ट्री

अन्य विभागों/विधाओं के लिए जेनेरिक इलैक्टिव प्रश्नपत्र (कोई चार)

1. ऑटोमिक स्ट्रक्चर, बॉडिंग, जनरल आर्गेनिक कैमिस्ट्री एवं एलीफैटिक हाईड्रोकार्बन्स्
2. कैमिकल एनर्जेटिक्स, इक्विलिबरिया एंड फंक्शनल ग्रुप आर्गेनिक कैमिस्ट्री-I
3. साल्यूशन्स, फेज इक्विलिबरियम, कन्डक्टेन्स, इलैक्ट्रो कैमिस्ट्री एंड फंक्शनल ग्रुप आर्गेनिक कैमिस्ट्री-II
4. कैमिस्ट्री ऑफ एस एंड पी ब्लॉक ऐलीमेंट्स, स्टेसट्स ऑफ मैटर एंड कैमिकल कायनेटिक्स
5. कैमिस्ट्री ऑफ एस एंड पी ब्लॉक ऐलीमेंट्स, क्वान्टम कैमिस्ट्री एंड स्पैक्ट्रोस्कोपी
6. ऑर्गनोमैटेलिक, बॉयोइनआर्गेनिक कैमिस्ट्री, पॉलिन्यूक्लिर हाइड्रोकार्बन्स एंड यू.वी., आई.आर., स्पैक्ट्रोस्कोपी
7. मॉलिक्यूल्स् ऑफ लाईफ

दिल्ली विश्वविद्यालय के एम.एससी. (कैमिस्ट्री) में प्रवेश के लिए मैथेमैटिक्स के दो प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

कम्प्यूटर सांइस विभाग

यह विभाग त्रि–वर्षीय, छः सैमेस्टोर वाले बी.एससी. (आनर्स) कम्प्यूटर विज्ञान कार्यक्रम का आयोजन करता है। छात्रों को डी.बी.एम.एस., कम्प्यूटर नेटवर्क, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, यूनिक्स स्क्रिप्टिंग, कम्प्यूटर ग्राफिक्स, एल्गोरिथम्स, इन्फोमरमेशन सिक्युरिटी, डाटा माइनिंग एंड इंटरनेट टैक्नालॉजी क्षेत्र से अवगत कराया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छात्रों को नेटवर्किंग, डाटा संरचना में सी++ एप्लीकेशन एवं सी++ में प्रोग्रामिंग दक्षता प्रदान की जाती है। इसकी पाठ्यचर्या में व्यापक प्रयोगशाला सत्रों का प्रावधान है जहां छात्र सिद्धान्त रूप से अध्ययन की हुई अवधारणाओं को व्यावहारिक रूप में उकेरते हैं। यह पाठ्यक्रम स्नाहत स्तर पर उद्योगों में भरपूर रोजगार के अवसर देते हुए छात्रों को प्रोग्रामिंग, वेब डिजाइनिंग, इंटरनेट प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों से विभाग ने नवीनतम साफ्टवेयर विकास उपकरणों और प्रौद्योगिकीयों का इस्तेमाल करके साफ्टवेयर कौशलों के लिए उत्कृष्ट आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था की है। विभाग में 5 सुसज्जित आई.सी.टी. समर्थ प्रयोगशालाएं है जिनमें :-

- नवीनतम कम्प्यूटर कानफीग्रेशन - इन्टेल कोर आई–7, चार जी.बी. रैम सहित 3.4 जी.एचजैड. प्रोसेसर्स, वाई–फाई क्नेक्टिविटी सहित 64 बिट आपरेटिंग सिस्टम सहित लगभग 150 कम्प्यूटर हैं।

- 3 हाई–एंड एच.पी. सर्वर और लैपटॉप हैं।

- छात्रों के व्याव्हारिक अनुभव को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से लाइसेंस साफ्टवेयर और फ्री/ओपन सोर्स साफ्टवेयर का उत्तम मिश्रण उपलब्ध है।

- 4 कलर लेजर प्रिंटर और 10 स्केनर हैं, और

- प्रत्येक लैब में एल.सी. प्रोजेक्टर हैं जिनका उपयोग सेमिनारों और प्रेजन्टेशनों के समय शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में किया जाता है।

यहां टर्बो सी++, ओरेकल 10 जी.आई. स्ट्राबेरी प्रोलॉग, मल्टी मीडिया टूल्स, रैड हैट लाइनेक्स, विजुएल स्टूडियो, डिवेलपर 2000, विंडो एन.टी. सर्वर, फारट्रान 90 आदि सॉफ्टवेयर उपलब्ध हैं। छात्रों में अनुसंधान की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रयोगशालाओं को इंटरनेट सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है ताकि छात्रों को ई–पत्रिकाओं की सुविधा प्रदान की जा सके। प्रयोगशाला नेटवर्क सिस्को 2900 सीरिज राउटर, सिस्को 1900 स्विचिस, 24 पोर्ट फुल डुप्लेक्स, बे स्टैक 425, 24 टी स्विचिस, 16 पोर्ट हबो, केबल टैस्टर्स आदि से सुसज्जित है।

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में एक विशिष्ट सी.सी.एन.ए. (सिस्को सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट) लैब भी है जहां छात्रों को सिस्को राउटरो, स्विचों, ब्रिजिस आदि के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। विभाग में विभिन्न यूटिलिटी रूम्स जैसे प्रोग्रामिंग रूम, सर्वर रूम, विभागीय पुस्तकालय, यू.पी.एस. कक्ष, शिक्षण कक्ष और तकनीकी स्टाफ कक्ष भी हैं। प्रयोगशालाओं के कार्य को कुशलता से देखने के लिए विभाग में दक्ष प्रयोगशाला स्टॉफ जैसे वैज्ञानिक सहायक, तकनीकी सहायक, प्रयोगशाला सहायक और प्रयोगशाला परिचर भी हैं।

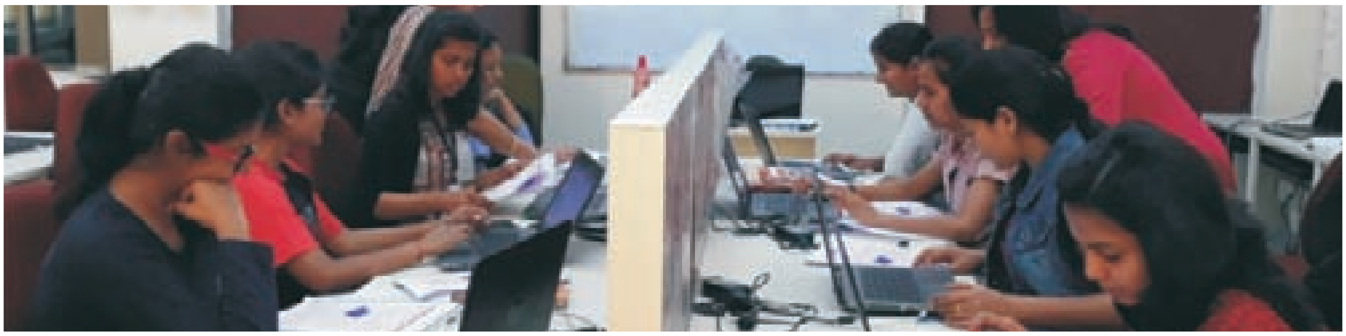

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (आनर्स) कम्प्यूटर साईंस

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : सी++ का उपयोग करते हुए प्रोग्रामिंग फंडामेंटल्स सी-II : कम्प्यूटर सिस्टम आर्कीटेक्चर एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. जीई-I	सी-III : जावा में प्रोग्रामिंग सी-IV : डिस्क्रीट स्ट्रक्चर्स एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन या ई.वी.एस. जीई-II
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V: डाटा स्ट्रक्चर सी-VI : आपरेटिंग सिस्टम्स सी-VII : कम्प्यूटर नेटवर्क एसईसी-I : एन्ड्रायड कार्यक्रम जीई-III	सी-VIII : एलगोरिदम्स का डिजाईन एवं विश्लेषण सी-IX : सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग सी-X : डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली एसईसी-II : पी.एच.पी. कार्यक्रम जीई-IV
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : इंटरनेट टेक्नॉलॉजीस सी-XII : थ्योरी ऑफ कम्प्यूटेशन डीएसई-I डीएसई-II	सी-XIII : आर्टिफिसिएल इंटेलीजेंस सी-XIV : कम्प्यूटर ग्राफिक्स डीएसई-III डीएसई-IV

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

डिसिप्लिन स्पेकसिफिक इलैक्टिव प्रश्नेपत्र (प्रत्येक का क्रेडिट : 06)

डीएसई 1 : निम्नेलिखित में से कोई एक

1. सिस्टम प्रोग्रामिंग
2. न्यूटमैरिकल मैथड्स
3. कम्प्यूटर साईंस के सम्बन्ध में आप्रेशनल रिसर्च

डीएसई-II (कोई एक)

1. माइक्रोप्रोसेसर
2. माडलिंग एवं स्टिमुलेशन
3. एडवांस एलगोरिदम्स

डीएसई-III (कोई एक)

1. मशीन लर्निंग
2. इन्टरोडक्शन टू डाटा साईंस
3. कम्बीनेटोरियल ऑपटिमाईजेशन

डीएसई-IV (कोई एक)

1. डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग
2. डाटा माईनिंग
3. प्रोजेक्टि वर्क/डिस्सरटेशन

सामान्य इलैक्टिव प्रश्नपत्र (जीई)
अन्य विभागों/संकायों के लिए (लघु-कम्प्यूटर साईंस)
(प्रत्येक का क्रेडिट : 06)

जीई-I : इन्टरोडक्शन टू प्रोग्रामिंग

जीई-II : इन्टरोडक्शन टू डाटाबेस सिस्टम

जीई-III : कम्प्यूटर नेटवर्क एंड इंटरनेट टेक्नॉलॉजीस

जीई-IV : इन्फार्मेशन सिक्यूरिटी एंड साईबर लॉ

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग

यह विभाग बी.एससी. (आनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स में तीन-वर्षीय डिग्री कार्यक्रम आयोजित करता है। वर्ष 1989 में इसकी शुरुआत के बाद विभाग का पर्याप्त विकास हुआ है। इस विभाग का दृष्टिकोण और उद्देश्य इलैक्ट्रॉनिकी क्षेत्र में भावी बढ़ती हुई चुनौतियों को पूरा करने के लिए उच्च कोटिपरक शिक्षा प्रदान करना है। विभाग में सर्किट और नेटवर्क, डिजीटल एवं अनालॉग, कम्युनिकेशन, माइक्रोप्रोसेसर, आप्टो इलैक्ट्रॉनिक्स एवं इलैक्ट्रॉनिक्स जैसी कुछ प्रयोगशालाएं हैं। ये प्रयोगशालाएं स्टोरेज ओसिलोस्कोप्स, फंक्शन जनरेटर्स, पावर सप्लाईस, मल्टी मीटर्स, परिष्कृत 8085/8086 माइक्रो प्रोसेसर ट्रेनर किटों तथा नवीनतम इलैक्ट्रॉनिक साफ्टवेयरों आदि से सुसज्जित हैं। विभाग का एक छोटा पुस्तकालय भी है जिसका उपयोग प्रैक्टिकलों के दौरान संकाय तथा छात्रों द्वारा किया जाता है। प्रयोगशालाओं में स्टाफ और छात्रों के लिए वैब सुविधा सहित 45 सिस्टम है जिन पर इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है।

नवीन विकासों और संगत प्रौद्योगिकी में हाल ही के विकास के साथ चलने के उद्देश्य से विभाग नियमित रूप से सेमिनारों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जटिल प्रौद्योगिकीय समस्याओं का हल करने के लिए कौशल विकास करने में छात्रों को समर्थ बनाने और सहयोगात्मक तथा बहुविषयक कार्यकलापों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कॉलेज के कई छात्रों और शिक्षकों ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित नवाचारी परियोजनाओं में काम किया। यह विभाग छात्रों को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में सामुदायिक सेवाओं में शामिल करके उनकी सहायता करते हुए मूल्य आधारित शिक्षा को भी बढ़ावा देता है। प्रत्येक वर्ष विभाग की छात्र परिषद द्वारा ''इलैक्ट्रोमानिया'' टेक्नीकल फैस्ट का भी आयोजन किया जाता है।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (आनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी–I : बेसिक सर्किट थ्योरी एवं नेटवर्क एनॉलेसिस सी–II : मैथेमैटिक्सा फाऊन्डेशन फॉर इलैक्ट्रॉनिक्स एईसीसी–I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. जीई–I	सी–III : सेमीकन्डक्टर डिवाईसेस सी–IV : एप्लॉयड फिजिक्स एईसीसी–II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. कम्यूनिकेशन अथवा ई.वी.एस. जीई–II
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी–V : इलैक्ट्रॉनिक सर्किट्स सी–VI : डिजिटल इलैक्ट्रॉनिक्स एंड वी.एच.डी.एल. सी–VII : सी प्रोग्राम एवं डाटा स्ट्रक्चर एसईसी–I जीई–III	सी–VIII : आप्रेशनल एम्पलीफायर्स एवं एप्लीकेशन्स सी–IX : सिग्नल्स एवं सिस्टम्स सी–X : इलैक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंटेशन एसईसी–II जीई–IV
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी–XI : माईक्रोप्रोसेसर्स एवं माईक्रोकंट्रोलर्स सी–XII : इलैक्ट्रो मैगनेटिक्स डीएसई–I डीएसई–II	सी–XIII : कम्यूनिकेशन इलैक्ट्रॉनिक्स सी–XIV : फोटोनिक्स डीएसई–III डीएसई–IV

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलेक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव (डीएसई) (प्रत्येक का क्रेडिट : 06) (चार प्रश्नपत्र चुने जाएंगे) डीएसई I–IV

1. पॉवर इलैक्ट्रॉनिक्स
2. न्यूमेरिकल एनॉलेसिस
3. मार्डन कम्यूनिकेशन सिस्टम
4. सेमीकन्डक्टर फैब्रीकेशन एवं करैक्टराईजेशन
5. इलैक्ट्रिकल मशीन्स
6. बेसिक वी.एल.एस.आई. डिजाईन
7. डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग
8. कंट्रोल सिस्टम्स
9. कम्प्यूटर नेटवर्क्स
10. एम्बीडिड सिस्टम्स
11. बॉयोमेडीकल इंस्ट्रूमेंटेशन
12. ट्रांसमिशन लाईन्स, एंटीना एवं वेव प्रोपेगेशन
13. डिस्सरटेशन

स्किल एन्हान्समेंट कोर्सेज (एसईसी) (2 प्रश्नपत्र) (प्रत्येक का क्रेडिट : 02) एसईसी–I से एसईसी–II

1. प्रिन्टेड सर्किट बोर्डों का डिजाईन एवं फैब्रीकेशन
2. रोबोटिक्स
3. मोबाईल एप्लीकेशन्स डेवलेपमेंट
4. इंटरनेट और जावा प्रोग्रामिंग
5. लैब व्यू के साथ प्रोग्रामिंग

अन्य विधाएं

1. मैथेमैटिक्स
2. कम्प्यूटर साईंस
3. फिजिक्स
4. बॉयोमेडीकल साईंस
5. कैमिस्ट्री
6. वाणिज्य

इच्छानुसार कोई अन्य विधा

अन्य विभागों/संकायों के लिए सामान्य इलैक्टिव प्रश्नपत्र (जीई) (प्रत्येक का क्रेडिट : 06)

1. इलैक्ट्रॉनिक सर्किट्स एवं पी.सी.बी. डिजाईनिंग
2. डिजिटल सिस्टम डिजाईन
3. इंस्ट्रूमेंटेशन
4. प्रैक्टिकल इलैक्ट्रॉनिक्स
5. कम्युनिकेशन सिस्टम्स
6. माईक्रोप्रोसेसर्ज एवं माईक्रोकंट्रोलर सिस्टम्स
7. कंज्यूमर इलैक्टॉनिक्स

खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग

यह विभाग खाद्य प्रौद्योगिकी में बी.एससी. (आनर्स) प्रदान करता है। मुख्य विभाग भूतल पर स्थित है तथा पायलट संयंत्र बेसमेंट क्षेत्र में स्थित हैं। प्रमुख प्रयोगशालाएं 07 हैं नामतः खाद्य-सूक्ष्म जैव विज्ञान प्रयोगशाला 1 और 2, खाद्य माइक्रोबॉयोलॉजी प्रयोगशाला, खाद्य तथा पोषण प्रयोगशाला, संवेदिक मूल्यांकन प्रयोगशाला, खाद्य-इंजीनियरी प्रयोगशाला और विश्लेषणात्मक शल्यकर्म प्रयोगशाला।

लेमिना-फ्लो चेम्बर, इलैक्ट्रॉनिक संतुलनों तथा डाइजेशन सुविधाओं से सज्जित कल्चर-इनोक्यूलेशन, सैम्पल वेइंग तथा सैम्पल डाइजेशन के लिए अतिरिक्त कमरे हैं। पायलट संयंत्र 1 में बेकरी तथा आइसक्रीम अवस्थित है तथा पायलट संयंत्र-2 में डिब्बाबंदी (केनिंग) यूनिट, निर्जलीकरण यूनिट, फल्यूडाइजट बैंड-फ्रीजर और डीप-फ्रीजर अवस्थित है। विभागीय पुस्तकालय में संदर्भ पुस्तकें, परियोजना रिपोर्टें और उत्पाद-विकास साहित्य अवस्थित है तथा छात्रों के लिए कम्प्यूटर और इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध हैं।

विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं में माइस्चरोमीटर, बर्स्टिंग-स्ट्रेंन्थ टेस्टर, वेक्यूम ओवन, ब्रूफील्ड-विस्कोमीटर (डिजीटल एंड एनालॉग), अब्बोस-रिफ्रेक्टो-मीटर, पेनेट्रोमीटर, हाइड्रोमीटर, सॉक्सलेट यूनिट, यू.वी. विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, डिहाईट्रेटर, मफल फरनेस, पोलारीमीटर, लविबांड टिन्टोमीटर, व्हेल यूनिट, बाल-मिल, वेक्यूम इवापोरेटर, काब-टेस्टर, वेक्यूम पैकेजिंग मशीन, फारमेन्टर, डिजीटल-माइक्रोस्कोप और आर.एम.जी.वी. एस्टीमेशन असेम्बली है। बेकरी यूनिट में प्लेनेटरी-मिक्सर, बेकिंग ओवन्स, डफ नीडर, डौड स्लाइसर, डफ-शीटर, बन-कटर, शुगर ग्राइंडिंग मिल किचन तथा मिक्सचर आदि हैं। सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रयोगशाला में ऑटो क्लेव, इन्क्यूबेटर्स, बाइनोक्यूलर्स, माइक्रोस्कोप्स, बी.ओ.डी. इन्क्यूबेटर्स, एयर-सेम्प्लर, मिलीपोर-फिल्ट्रेशन असैम्बली, लेमिनार एयर-फ्लो चैम्बर, इलैक्ट्रॉनिक-कॉलोनी काउंटर्स आदि हैं।

उन्नपत सुविधाओं में एच.पी.एल.सी. सिस्टम, टेक्चर-एनालाइजर, एटोमिक एब्सौर्पशन स्पेक्ट्रो-फोटोमीटर, रेन्सीमट, फैट-एनालाइजर, प्रोटीन एनालाइजर, रिवर्स ओसमोसिस प्लांट तथा एस.ओ. 2 एस्टीमेशन असैम्बली शामिल हैं।

विभाग प्रति वर्ष विश्व-खाद्य दिवस मनाता है तथा छात्रों को आधुनिक करने के लिए इस क्षेत्र में नवीनतम विकास के बारे में कार्यशालाएं, प्रशिक्षण, व्याख्यान आमंत्रण और सेमिनार नियमित रूप से आयोजित करता है। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग ने दिल्ली-विश्वविद्यालय द्वारा वित्त-पोषित की गई अभिनव परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है और विभिन्नि संगठनों में भिन्न-भिन्न परियोजनाएं प्रस्तुत की हैं। खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग के भूतपूर्व छात्र को प्रतिष्ठित संस्थानों तथा उद्योगों में नियोजन (नौकरी) मिला है। इस विभाग के छात्रों को खाद्य-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न मंचों में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इस विभाग को खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय से विगत में विभिन्न परिष्कृत उपकरणों की खरीद के लिए 50 लाख रुपये का अनुदान मिला है। इस विभाग को कॉलेज के दो अन्य विभागों के साथ डी.बी.टी. स्टार कॉलेज अनुदान भी उपलब्ध है।

विभाग द्वारा एन.डी.आर.आई. करनाल, मदर-डेयरी दिल्ली तथा याकुल्ट सोनीपत जैसे विभिन्न उद्योगों तथा अनुसंधान संस्थानों में छात्रों के शैक्षिक दौरे भी आयोजित किए जाते हैं। छात्रों की सी.एफ.टी.आर.आई., मैसूर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, दिल्ली तथा मुम्बई, एन. डी.आर.आई., करनाल, निफटेम, सोनीपत तथा नीदरलैंड विश्वविद्यालय जैसे भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित कॉलेजों में उच्चतर शिक्षा का अध्ययन करने के लिए चयन किया जाता है। छात्रों का मदर-डेयरी, दिल्ली तथा याकुल्ट, सोनीपत जैसे विभिन्न खाद्य उद्योगों में भी चयन किया जाता है। विभाग नए उत्पाद-विकास में छात्रों को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है और कौशल संवर्धन के लिए उद्यमी विकास प्रकोष्ठ है। विभाग के छात्र अपनी-अपनी परियोजनाओं के लिए अनुसंधान तथा पुनरीक्षा दस्तावेज लिखने में भी लिप्त हैं और ग्रीष्म इन्टर्नशिप के लिए विभिन्न उद्योगों में भी भेजे जाते हैं।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (ऑनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : खाद्य प्रौद्योगिकी के बुनियादी सिद्धांत सी- II : खाद्य विज्ञान के सिद्धांत एईसीसी-I : अंग्रेजी सम्प्रेषण/एम.आई.एल. या ई.वी.एस. जीई- I*	सी-III : खाद्य संरक्षण प्रौद्योगिकी सी-IV : खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी एईसीसी-II : अंग्रेजी सम्प्रेषण/एम.आई.एल. या ई.वी.एस. जीई-II*
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : खाद्य और पोषण सी-VI : फल, सब्जियां और बागान फसल प्रौद्योगिकी सी-VII : डेयरी और समुद्री भोजन प्रौद्योगिकी एसईसी-I* जीई-IIII*	सी-VIII : अनाज, दालें और तिलहन प्रौद्योगिकी सी-IX : खाद्य माइक्रोबायोलॉजी सी-X : मांस, कुक्कुट और अंडा प्रौद्योगिकी एसईसी-II* जीई-IV*
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : खाद्य इंजीनियरिंग सी-XII : खाद्य रसायन-I डीएसई-I* डीएसई-II*	सी-XIII : खाद्य रसायन-II सी-XIV : खाद्य गुणवत्ता और संवेदी मूल्यांकन डीएसई-III* डीएसई-IV*

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

* छात्र द्वारा कोई 4 डीएसई, 2 एसईसी और 4 जीई चुने जाने हैं।

डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव (कोई चार) (अन्य विभाग के लिए)

क्रेडिट : 4+2 (4 सैद्धांतिक और 4 प्रैक्टिकल कक्षाएं प्रति सप्ताह)

1. खाद्य सुरक्षा
2. खाद्य गुणवत्ता प्रबंधन
3. बेकरी प्रौद्योगिकी
4. खाद्य पैकेजिंग
5. पोषक एवं क्रियाशील खाद्य
6. खाद्य प्लांट स्वच्छता

जेनेरिक इलैक्टिव (कोई चार)

क्रेडिट : 4+2 (4 सैद्धांतिक और 4 प्रैक्टिकल कक्षाएं प्रति सप्ताह)

1. खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण
2. खाद्य रसायन
3. खाद्य का संवेदी मूल्यांकन
4. खाद्य माइक्रोबॉयोलोजी एवं खाद्य सुरक्षा
5. खाद्य इंजीनियरिंग एवं पैकेजिंग
6. पादप एवं पशु खाद्य प्रौद्योगिकी

स्किल एंहांसमेंट पाठ्यक्रम (कोई दो)

क्रेडिट : 2 (2 सैद्धांतिक कक्षाएं + 2 प्रैक्टिकल कक्षाएं प्रति सप्ताह अथवा 1 सैद्धांतिक कक्षा + 2 प्रैक्टिकल कक्षाएं प्रति सप्ताह)

1. उद्यमिता विकास
2. खाद्य उत्पाद विकास
3. खाद्य फर्मेंटेशन प्रौद्योगिकी
4. कंफेक्शनरी प्रौद्योगिकी
5. प्रोजेक्ट एवं तकनीकी रिपोर्ट

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग

विभाग ने शिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों में सहायता प्रदान करने हेतु आधुनिक अनुसंधान सुविधा एवं अवसंरचना विकसित की है। पाठ्यक्रम के आधार पर विभाग में पांच प्रमुख प्रयोगशालाएं हैं : वेट प्रयोगशाला द्वारा समर्थित एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, बॉयोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला, इलैक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन एवं इलैक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला, माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला एवं औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला।

एनालिटिकल प्रयोगशाला एच.पी.एल.सी., जी.एल.सी., कॉर्ल फिशर टाइट्रेटर, पी.एच. मीटर, यू.वी.-विज स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, फोटोमीटर, फ्लेम फोटोमीटर, एफ.टी.आई.आर. स्पैक्ट्रोफोटोमीटर, और रोटरी वैक्यूम इवैपोरेटर से सुसज्जित है। बॉयोमेडिकल प्रयोगशाला में ई.ई.जी., ई.सी.जी., ई.एम.जी., पल्स रेट, रेस्पाइरेशन रेट इत्यादि को मापने में उपयोग किए जाने वाली बॉयोमेडिकल किटें उपलब्ध हैं। इस प्रयोगशाला में एलिसा रीडर, बॉयोकैमिस्ट्री एनालाईजर, बॉयोमेडिकल स्कैनर, पी.सी.आर. मशीन, बल्ड सेल काउंटर और अल्ट्रासाउंड मशीन भी उपलब्ध हैं। इलैक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन एवं इलैक्ट्रिकल मशीन प्रयोगशाला में सीरीज एंड शंट डी.सी. मोटर्स, इंडक्शन मोटर्स इत्यादि जैसे उपकरण मौजूद हैं। माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला छात्रों को प्रोग्रामिंग एवं नए प्रोजेक्ट डिजाईन करने में प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु 8085 किटों से सुसज्जित है। औद्योगिक इंस्ट्रूमेंटेशन प्रयोगशाला में ओरीफाइस मीटर, डी.सी. अंशांकन मीटर, लेवल ट्रांसमीटर, अल्ट्रासोनिक फ्लो मीटर, रेसिओ कैलकुलेटर, प्रेशर गेज कैलीब्रेटर, मैगनेटिक फ्लो मीटर, सर्कुलर चार्ट रिकॉर्डर इत्यादि जैसे उपस्कर उपलब्ध हैं।

विभाग इस क्षेत्र की आधुनिक प्रगति से छात्रों को अवगत कराने हेतु नियमित तौर पर कार्यशालाओं, प्रशिक्षणों, लेक्चरों और सेमिनारों का आयोजन करता है।

विभाग ने कॉलेज के अन्य विभागों के साथ मिलकर डी.बी.टी. स्टार कॉलेज स्कीम के तहत गतिविधियों के प्रसार हेतु पूर्वी दिल्ली के स्कूलों के छात्रों के लिए ''वंडर्स ऑफ साइंस'' नामक कार्यशाला का आयोजन किया। विभाग ने कॉलेज के अन्य विभागों के साथ मिलकर आई.ई.ई.ई., दिल्ली चौप्टर, यू.जी.सी. एवं डी.बी.टी. स्टार कॉलेज स्कीम द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोजित एक एक-साप्ताहिक पैरा शिक्षण स्टॉफ स्किल एन्हांसमेंट कार्यशाला (पी.टी.एस.एस.ई.डब्ल्यू.) दिसम्बर, 2017 का आयोजन भी किया।

इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने आई.ई.ई.ई.-ई.डी.एस. दिल्ली चैप्टर के सहयोग से जुलाई, 2017 में एस.आई.एल.वी.ए.सी.ओ. टी.सी.ए.डी. के संबंध में एक एक-दिवसीय प्रशिक्षण, अक्टूबर, 2017 में ''इवोल्यूशन ऑफ इलैक्ट्रॉनिक्स एंड वी.एल.एस.आई. डिजाईन'' के संबंध में चर्चा, अप्रैल 2018 में उभरती हुई सेमीकंडक्टर डिवाईस और इसकी एप्लीकेशन के संबंध में एक चर्चा का आयोजन किया।

विभाग ने अक्टूबर, 2017 में अंतर-कॉलेज तकनीकी उत्सव ''टेकनेक्सस'' भी मनाया। इन उत्सवों का आयोजन छात्रों को उनकी प्रतिभा का प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए मंच प्रदान करने हेतु प्रत्येक वर्ष किया जाता है, जनवरी, 2018 में कॉलेज के रोबोटिक्स क्लब, रोबोट/सीए के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के संबंध में एक चर्चा, जून, 2017 में ''मल्टीसिम सॉफ्टवेयर'' के संबंध में तीन-दिवसीय कार्यशाला, ''व्याख्यान'' गतिविधि के अंतर्गत पूर्व छात्रों के साथ एक चर्चा-सह-वार्ता सत्र, नवंबर, 2017 में जुबिलेंट जेनेरिक्स एवं कैमसिस, नोएडा में एक-दिवसीय शैक्षणिक दौरा किया गया।

सितम्बर, 2017 में इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने खाद्य प्रौद्योगिकी एवं बॉयोमेडिकल साइंस विभाग के साथ मिलकर ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टैक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट में ओपन-डे में हिस्सा लिया।

मार्च, 2018 में इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग के सहयोग से इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग द्वारा मैकलोडगंज, हिमाचल प्रदेश की अध्ययन-यात्रा भी की गई।

विभाग द्वारा जनवरी, 2018 से फरवरी, 2018 के दौरान एम.एससी. (एफ) फॉरेंसिक साइंस के छात्रों को 5 सप्ताह का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्हें फॉरेंसिक विश्लेषण में उपयोग किए जाने वाले एनालिटिकल उपकरणों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (ऑनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी–I: आधारभूत इलैक्ट्रॉनिकी एवं नेटवर्क विश्लेषण सी–II : अनप्रयुक्त भौतिकी विज्ञान एईसीसी–I : अंग्रेजी सम्प्रेषण/एम.आई.एल. या ई.वी.एस. जीई–I	सी–III : अनालॉग डिवाईसिस एंड सर्किट्स सी–IV : ट्रांसड्यूर्स एंड सेंसर्स एईसीसी–II : अंग्रेजी सम्प्रेषण/एम.आई.एल. या ई.वी.एस. जीई–II
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी–V : बॉयोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन सी–VI : डिजीटल इलैक्ट्रॉनिक्स और वी.एच.डी.एल. सी–VII : इंजीनियरिंग गणित एसईसी–I जीई–III	सी–VIII : ऑप्रेशनल एम्प्लीफायर्स एवं एप्लीकेशन सी–IX : विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेंटेशन सी–X : इलैक्ट्रॉनिक इंस्ट्रूमेंटेशन एसईसी–II जीई–IV
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी–XI : मापन प्रौद्योगिकी सी–XII : माइक्रोप्रोसेसर डीएसई–I डीएसई–II	सी–XIII : पॉवर इलैक्ट्रॉनिकी सी–XIV : नियंत्रण प्रणाली डीएसई–III डीएसई–IV

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव (क्रेडिट : 06 प्रत्येक)
(चार प्रश्नपत्र चुने जाएं) डीएसई I–IV

1. रसायनिक विज्ञान की अवधारणा (4+4)
2. सिग्नल एंड सिस्टम (4+4)
3. एडवांस्ड एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन (4+4)
4. सम्प्रेषण प्रणाली (4+4)
5. एडवांस्ड बॉयोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन (4+4)
6. इम्बेब्ड सिस्टम एंड रोबोटिक्स (4+4)
7. प्रोसेस कंट्रोल डायनामिक्स (4+4)
8. व्यवहार्यता एवं गुणता नियंत्रण तकनीकें (4+4)
9. शोध निबंध (4+4)

जेनेरिक इलैक्टिव (सूक्ष्म-इंस्ट्रूमेंटेशन) (कोई चार)
अन्य विभागों/विषयों के लिए (क्रेडिट : 06 प्रत्येक)

1. सेंसर्स एंड एक्यूएटर्स (4+4)
2. इलैक्ट्रो–मैकेनिकल इंस्ट्रूमेंट्स (4+4)
3. इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल (4+4)
4. एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंटेशन (4+4)
5. न्यूक्लियर एवं बॉयोमेडिकल इंस्ट्रूमेंटेशन (4+4)
6. मशीन इंटेलिजेंस (4+4)

स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम (क्रेडिट : 02 प्रत्येक)
(दो प्रश्नपत्र चुने जाएं) एसईसी I और एसईसी–II

1. सी में प्रोग्रामिंग (4)
2. वी.एल.एस.आई. डिजाईन एवं सत्यापन (4)
3. परीक्षण एवं अंशांकन (4)
4. पी.एल.सी. एवं एस.सी.ए.डी.ए. (4)
5. वर्चुअल इंस्ट्रूमेंटेशन (4)
6. मैटलेब का उपयोग करते हुए प्रोग्रामिंग (4)

अन्य विषय जीई– I से जीई– IV

1. गणित
2. कम्प्यूटर साइंस
3. भौतिकी विज्ञान
4. बॉयोमेडिकल साइंस
5. रसायन विज्ञान
6. इलैक्ट्रॉनिक्स
7. वाणिज्य

पसंद का कोई अन्य विषय

प्रबंधन और वित्तीय अध्ययन विभाग

प्रबंधन और वित्तीय अध्ययन विभाग की परिकल्पना वर्ष 2017 में की गई थी, जो अगली पीढ़ी के प्रबंधकों और परिवर्तन एजेंटों के पोषण में अग्रणी होने के साथ ही समाज के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हुए, शाश्वत मूल्यों में दृढ़ता से निहित है। विभाग निम्नलिखित मिशन को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है :

- समाज और आसपास के लोगों की आवश्यकताओं के लिए इसकी प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए नेतृत्व, वित्तीय और प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता की दिशा में योगदान।
- कल के युवा और गतिशील प्रबंधकों, उद्यमियों और नीति निर्माताओं का पोषण करना, जो सहयोगात्मक और बहु-विषयक गतिविधियों का वातावरण प्रदान करके जटिल संगठनात्मक, वित्तीय और प्रबंधकीय समस्याओं को हल कर सकते हैं।
- संकाय और छात्रों के बीच अभिनव और अनुसंधान गतिविधियों द्वारा प्रबंधन और वित्त के आगामी क्षेत्रें में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करना।

विभाग सी.बी.सी.एस. योजना के तहत दो स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करता है - बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज (बी.एम.एस.) और बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्तीय निवेश विश्लेषण) बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.)। एक नया विभाग होने के बावजूद यह विभाग प्रोजेक्टर, वाई-फाई सुविधा आदि से लैस उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे और केस स्टडी, प्रस्तुतियों, रोल प्ले आदि जैसे कुशल शिक्षण पद्धति का दावा करता है। यह विश्वविद्यालय के केवल दो कॉलेजों में से एक है जो पाठ्यक्रम बी.बी.ए. (एफ. आई.ए.) प्रदान करता है। यह एक अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय प्रदान करता है जहां छात्र प्रसिद्ध लेखकों की कर संबंधी, लेखा परीक्षा, मानव संसाधन, विपणन, संचालन, वित्त, अर्थशास्त्र, लेखा, व्यवसाय अनुसंधान, सांख्यिकीय विधियों, कानून आदि जैसे विषयों पर रचित पुस्तकों का अध्ययन करते हैं और इनमें लोकप्रिय पत्रिकाएं भी शमिल हैं।

विभाग वार्षिक विभागीय त्यौहार ''इडियारा'', कारखाने आदि स्थानों की यात्रा और क्षेत्र के दौरे जैसी गतिविधियों का आयोजन करता है, जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के बारे में उनके प्रबंधकीय और वित्तीय कौशल को विकसित करने और बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करता हैं। छात्रों को व्यापार की दुनिया में नवीनतम घटनाओं से अवगत कराने के लिए, श्री संजीव सान्याल (भारत सरकार के प्रमुख सलाहकार, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार,), श्री अतुल मित्तल (निदेशक, डेलॉइट मास्किन एंड सेल्स एलएलपी) जैसे प्रख्यात वक्ताओं द्वारा विषयों से संबंधित विभिन्न सेमिनार और संगोष्ठी समय-समय पर आयोजित किये जाते हैं। नेतृत्व, प्रबंधकीय और वित्तीय साधनों, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों से

संबंधित बहुत सारी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। इनमें से कई गतिविधियाँ विभिन्न प्रबंधन और वित्तीय संस्थानों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को आकर्षित करती हैं।

बी.एम.एस., विशेष रूप से दिल्ली विश्वविद्यालय का एक मिनी एम.बी.ए. माना जाता है, जिसे पूरा करने के बाद छात्र शानदार प्लेसमेंट प्राप्त कर सकते हैं। यह छात्रों को एक नया उद्यम शुरू करने या अपने माता-पिता/परिवार के व्यवसाय के साथ आगे बढ़ने के लिए सक्षम बनाता है। बी.बी.ए. (एफ.आई.ए) उन छात्रों के लिए सर्वश्रष्ठ माना जाता है, जो वित्त के क्षेत्र में अपनी प्रभावकारिता बढ़ाने की आकांक्षा रखते हैं।

विभाग का अपना 'प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल' है जो छात्रों को इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के लिए सहायता प्रदान करता है। यह छात्रों को अपनी छुट्टियों के दौरान कार्य अनुभव प्राप्त करने या आवश्यक व्यावसायिक रणनीतियों को मजबूत करने के लिए एक अल्पकालिक प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर भी प्रदान करने में भी सहायता करता है। एक अग्रणी संस्थान के लिए काम करने का अनुभव अमूल्य हो सकता है क्योंकि यह छात्रों को अपने भविष्य के कैरियर में लगातार बदलते कारोबारी माहौल के अनुकूल होने के लिए मजबूत क्षमताओं का निर्माण करने में सक्षम बनाता है। कुछ संभावित क्षेत्र जहाँ छात्र इंटर्नशिप के लिए जा सकते हैं :

- विपणन : सहायक ब्रांड प्रबंधक, तकनीकी विपणन सहायक, मीडिया प्लानर और क्रेता
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन : ई-कॉमर्स विश्लेषक
- बैंकिंग, वित्त और लेखा : वैश्विक निवेश प्रबंधक, विलय और अधिग्रहण विश्लेषक, लेखा परीक्षा या कर प्रशिक्षु, ट्रेजरी असिस्टेंट
- मानव संसाधनः अंतर्राष्ट्रीय भर्ती सलाहकारय प्रशिक्षण समन्वयक
- आई.टी. : सिस्टम विश्लेषक, प्रोजेक्ट एनालिस्ट
- अन्य : निवेश सलाहकार सेवाएं, पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं, कॉर्पोरेट वित्त, अंतर्राष्ट्रीय वित्त, पूंजी और धन बाजार, व्यापारी बैंकिंग, क्रेडिट रेटिंग, वेंचर कैपिटल, विदेशी मुद्रा सलाहकार सेवाएं आदि।

पाठ्यक्रम सामग्री

बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडीज (बी.एम.एस.)

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : फंडामेंटल ऑफ मैनेजमेंट एंड आरगनाइजेशनल बिहेवियर सी-II : स्टेटिक्स फॉर बिजिनेस डिसीजंस एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-I : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-III : प्रबंधकीय अर्थशास्त्र सी-IV : व्यवसाय लेखांकन एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-II : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : मैक्रों इकॉनॉमिक्स सी-VI : विपणन के सिद्धांत सी-I : प्रबंधन लेखांकन एसईसी-I : स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : व्यवसाय अनुसंधान सी-IX : मानव संसाधन प्रबंधन सी-X : वित्तीय प्रबंधन एसईसी-II : स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : प्रबंधन के लिए परिमाणात्मक तकनीकें सी-XII : व्यवसाय के कानूनी पहलू डीएसई-I : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : व्यवसाय नीति और कार्यनीति सी-XIV : वित्तीय संस्थाएं और बाजार डीएसई-III : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-IV : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनेरिक इलैक्टिव
(I-IV सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई एक प्रश्नपत्र)
1. उद्यमशीलता विकास
2. नीतिशास्त्र एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व
3. कर योजना
4. इक्नोमैट्रिक्स
5. उत्पादन एवं प्रचालन प्रबंध
6. भारतीय विविधता और व्यवसाय

स्किल एंहांसमेंट पाठ्यक्रम
(III-IV सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई एक प्रश्नपत्र)
1. आई.टी. टूल्स फॉर बिजनेस
2. व्यक्तित्व विकास और सम्प्रेषण कौशल
3. ई-कॉमर्स
4. सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पैकेजिंग
5. वित्तीय सॉफ्टवेयर पैकेजिस

डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव (अन्य विभागों के लिए)
(V-VI सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई दो प्रश्नपत्र)
एक छात्र एक ग्रुप से कोई चार प्रश्नपत्र चुन सकता है। इस पाठ्यक्रम में मुख्यतः चार ग्रुप हैं अर्थात् वित्त (डीएसई-I), विपणन (डीएसई-II), मानव संसाधन (डीएसई-III) और वैश्विक व्यवसाय प्रबंधन (डीएसई-IV)

डीएसई-I
1. अंतर्राष्ट्रीय वित्त
2. निवेश बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा
3. निवेश विश्लेषण एवं पोर्टफोलियों प्रबंधन
4. परियोजना मूल्यांकन
5. व्यवसाय एवं मूल्यांकन विश्लेषण
6. फाइनेंशियल मोडलिंग एंड डेरिवेटिव्स
7. स्ट्रेटेजिक कॉरपोरेट फाइनेंस

डीएसई- II
1. उपभोक्ता व्यवहार
2. व्यक्तिगत बिक्री एवं बिक्री फोर्स मैनेजमेंट
3. विज्ञापन एवं ब्रांड प्रबंधन
4. रिटेल मैनेजमेंट
5. डिस्ट्रीब्यूशन एंड सप्लाई चौन मैनेजमेंट
6. मॉर्केटिंग ऑफ सर्विसेज
7. अतंरराष्ट्रीय विपणन

डीएसई- III
1. मानव संसाधन विकास प्रणालियां एवं कार्यनीतियां
2. प्रशिक्षण एवं विकास
3. औद्योगिकी संबंध प्रबंधन
4. निष्पादन एवं प्रतिपूर्क प्रबंधन
5. काउंसलिंग एंड नैगोशिएसन स्किल्स फॉर मैनेजर
6. क्रॉस कल्चर एच.आर.एम.
7. प्रतिभा एवं ज्ञान प्रबंधन

डीएसई- IV
1. अंतरराष्ट्रीय व्यापार नीति एवं कार्यनीति
2. वैश्विक व्यवसाय वातावरण
3. ट्रांसनेशनल एंड क्रास कल्चर मार्किटिंग
4. इंटरनेशनल डिस्ट्रीब्यूशन एंड सप्लाई चैन मैनेजमेंट
5. इंटरनेशनल अकाउंटिंग एंड रिपोर्टिंग सिस्टम
6. मल्टीनेशनल बिजिनेस फाइनेंस
7. इंटरनेशनल ज्वाइंट वेंचर्स, मर्जर एंड एक्वीजिशंस

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (वित्तीय निवेश विश्लेषण)
बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.)

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : वित्तीय लेखन एवं विश्लेषण सी-II : प्रबंधकीय अर्थशास्त्र एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-I : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-III : स्टेटिक्स फॉर बिजनेस डिसीजंस सी-IV : लागत एवं प्रबंधन लेखांकन एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-II : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : आयकर सी-VI : निगमित वित्त सी-VII : वित्तीय बाजार संस्थाएं एसईसी-I : स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : मैक्रों इकॉनॉमिक्स सी-IX : क्वानटिटेटिव टैक्निक्स सी-X : फाइनेंशियल इक्नोमेट्रिक्स एसईसी-II : स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : इन्वेस्टमेंट अनालिसिस एंड पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सी-XII : फाइनेंशियल डेरिटिव्स डीएसई-I : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : कॉरपोरेट रिस्ट्रक्चरिंग सी-XIV : इंटरनेशनल फाइनेंस डीएसई-III : डिसीप्लिन्स स्पेसिफिक इलैक्टिव

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनेरिक इलैक्टिव

(I-IV सेमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई एक प्रश्नपत्र)

1. उद्यमशीलता विकास
2. संगठनात्मक व्यवहार
3. व्यावसायिक नीति एवं निगमित अभिशासन
4. उत्पादन और प्रचालन प्रबंधन
5. अनुसंधान प्रक्रियाविधि
6. आर्थिक विधान
7. अप्रत्यक्ष कर

स्किल एंहांसमेंट पाठ्यक्रम (कोई दो)

(III-IV सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई एक प्रश्नपत्र)

1. व्यवसाय हेतु आई.टी. उपस्कर
2. वित्तीय सॉफ्टवेयर पैकेज
3. व्यक्तित्व विकास और सम्प्रेषण कौशल
4. अनुसंधान सॉफ्टवेयर पैकेज
5. समर इंटर्नशिप (6-8 सप्ताह)

डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव (अन्य विभागों के लिए)

(V-VI सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई दो प्रश्नपत्र)

1. निवेश बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं
2. निगमित विश्लेषण और मूल्यांकन
3. व्यावसायिक कर आयोजना
4. इंटरनेशनल ट्रेड ब्लाक्स एंड मल्टीलेटरल एजेंसिज
5. कॉरपोरेट अकाउंटिंग
6. स्ट्रेटेजिक कॉरपोरेट फाइनेंस
7. मैनेजमेंट ऑफ फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस
8. फोरेंसिक अनालिसिस एंड फ्राड इन्वेस्टीगेशन
9. रिसर्च प्रोजेक्ट

गणित विभाग

गणित विभाग, गणित में बी.एससी. (ऑनर्स) नामक त्रि-वर्षीय अवर स्नातक कार्यक्रम आयोजित करता है। वर्ष 1989 में अपनी शुरूआत से ही यह विभाग कॉलेज में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। अन्य विषयों के छात्रों को भी गणित की शिक्षा दी जाती है। यह विभाग शैक्षिक ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर स्थित है। इस समय इस विभाग में ब्राडबैंड इंटरनेट सुविधा सहित हाईस्पीड कम्प्यूटर्स से सुसज्जित प्रयोगशाला है। ये सिस्टम मैटलेब और मैथमेटिक्स जैसे गणितीय और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयरों सहित स्थापित हैं। पाठ्यचर्या इस प्रकार बनाई गई है कि इससे छात्रों को सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक अवधारणाओं पाठ्यचर्या में प्रशिक्षित किया जा सके। यह विभाग शोध परियोजनाओं में अन्य विभागों के साथ सहयोग करके शोध में रूचि के लिए छात्रों को पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।

इस विभाग के छात्र कॉलेज की विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं के सदस्य और अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। विभाग में एक विख्यात गणितीय सोसायटी "रामानार्या" है। इस सोसायटी के सानिध्य में समय-समय पर प्रख्यात गणितज्ञों और विद्वानों द्वारा व्याख्यान आयोजित किए जाते हैं।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : कैलकुलस सी-II : बीजगणित एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-I	सी-III : वास्तविक विश्लेषण सी-IV: डिफरेंशियल इक्वेशंस एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-II
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : थ्योरी ऑफ रियल फंक्शंस सी-VI : ग्रुप थ्योरी-I सी-VII : मल्टीवेरिएटिव कैलकुलस एसईसी-I : लॉटैक्स एवं एच.टी.एम.एल. जीई-III	सी-VIII : पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशंस सी-IX : रीमन इंटिग्रेशन एंड सीरिज ऑफ फंक्शन सी-X : रिंग थ्योरी एंड लिनीयर एलजेबरा-I एसईसी-II : कॉम्प. एलजेबरा सिस्टम्स एवं संबंधित सॉफ्टवेयर जीई-IV
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : मीट्रिक स्पेसिस सी-XII : ग्रुप थ्योरी-II डीएसई-I डीएसई-II	सी-XIII: कॉम्प्लेक्स एनालिसिस सी-XIV : रिंग थ्योरी एंड लिनीयर एलजेबरा-II डीएसई-III डीएसई-IV

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव (डीएसई) क्रेडिट : 06 प्रत्येक

डीएसई-I
(i) अंकीय विधियां अथवा
(ii) गणितीय मॉडलिंग ग्राफ सिद्धांत अथवा
(iii) सी प्रोग्रामिंग

डीएसई-II
(i) गणितीय वित्त अथवा
(ii) डिस्क्रीट मैथेमेटिक्स अथवा
(iii) क्रिप्टोग्राफी एंड नेटवर्क सिक्योरिटी

डीएसई-III
(i) प्रोबेबिलिटी थ्योरी एंड स्टेटिक्स अथवा
(ii) मैकैनिक्स अथवा
(iii) बॉयो-मैथेमेटिक्स

डीएसई-IV
(i) नम्बर थ्योरी अथवा
(ii) लिनियर प्रोग्रामिंग एंड थ्योरी ऑफ गेम्स अथवा

जेनेरिक इलैक्टिव (अन्य विभागों के लिए)

विषम सेमेस्टर

जीई-I : कैलकुलस/एनालिटिकल ज्योमैट्री

जीई-III : डिफ्रेंशियल इक्वेशंस/लिनीयर प्रोग्रामिंग एंड गेम थ्योरी

सम सेमेस्टर

जीई-II : लिनीयर एलजेब्रा/डिस्क्रीट मैथेमेटिक्स

जीई-IV : न्यूमिरिकल मैथड्स/एलीमेंट ऑफ एनालिसिस

माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग

माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग वर्तमान में सी.बी.सी.एस. के तहत तीन साल का बी.एससी. (ऑनर्स) नामक त्रि-वर्षीय अवर स्नातक कार्यक्रम आयोजित करता है। सूक्ष्मजीवों का हमारे दिन-प्रतिदिन के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है, यह वातावरण के रखरखाव का, महत्वपूर्ण औद्योगिक उपकरणों के तौर पर कार्य करने का और मानवों, पशु और पौधों की बीमारियों का कारण और साथ ही भोजन के खराब होने का कारण होता है। विभाग का दृष्टिकोण माइक्रोबॉयोलॉजी के अनुशासन में छात्रों को शिक्षित और प्रशिक्षित करना है और सक्रिय अनुसंधान के साथ इस वैज्ञानिक क्षेत्र के ज्ञान का विस्तार करना है। विभाग का उद्देश्य है कि हममें से प्रत्येक व्यक्ति को प्रभावित करने वाले सूक्ष्मजीवों के महत्व के बारे में सामाजिक आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से एक आम आदमी को जागरूक और संवेदनशील बनाना।

माइक्रोबॉयोलॉजी के अध्ययन के कई कारणों में से चिकित्साशास्त्र, पारिस्थिति की, —षि, दवा विज्ञान और निदान, जलीय माइक्रोबॉयोलॉजी माइक्रोबॉयोलॉजी में करियर बनाने के लिए आवश्यक क्षेत्र का बुनियादी ज्ञान प्राप्त करना है।

विभाग के पास बुनियादी और उन्नत उपकरणों के साथ विशाल प्रयोगशालाएं हैं और इसमें मीडिया तैयारी कक्ष, बायोइनस्ट्रूमेंटेशन रूम, इनोक्यूलेशन रूम और कल्चर कक्ष जैसी सुविधाएं हैं। प्रयोगशालाएं सूक्ष्मदर्शी यंत्र, शेकर इनक्यूबेटर, लैमिनर फ्लो कैबिनेट, इनक्यूबेटर, यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, सेंट्रीफ्यूज, डिजिटल पी.एच. मीटर, इलेक्ट्रॉनिक वेईंग बैलेंस, कॉलोनी काउन्टर, जैल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट, टिश्यू कल्चर रैक, आटोक्लेव आदि आधारभूत एवं उन्नत उपकरणों से सुसज्जित हैं।

माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के पास विधिवत चुना हुआ ''इथेरियल'' नामक छात्र परिषद हैं जो क्षेत्र में नवीनतम शोध के बारे में छात्रों को अवगत कराने के लिए प्रख्यात वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्यमियों के साथ घटनाओं, सेमिनारों और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन करता हैं। विभाग नियमित रूप से विभिन्न प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं और उद्योगों के लिए क्षेत्र यात्राएं भी आयोजित करता है।

बी.एससी. (ऑनर्स) माइक्रोबॉयोलॉजी

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I: इंट्रोडक्शन टू माइक्रोबॉयोलॉजी एंड माइक्रोबायल डायवर्सिटी सी-II : बैक्टिरियोलॉजी एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-I : जेनेरिक इलैक्टिव	सी- III : बॉयोकैमिस्ट्री सी- IV : वायरोलॉजी एईसीसी- II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई- II : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी- V : माइक्रोबॉयल फिजियोलॉजी एंड मैटाबॉलिज्म सी-VI : सैल बॉयोलॉजी सी-VII : मोल्युकुलर बॉयोलॉजी एसईसी-I : स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : माइक्रोबॉयल जेनेटिक्स एंड जेनोमिक्स सी-IX : एनवायरमेंटल माइक्रोबॉयोलॉजी सी-X : फूड एंड डेयरी माइक्रोबॉयोलॉजी एसईसी-II : स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : इंडस्ट्रियल माइक्रोबॉयोलॉजी सी-XII : इम्यूनोलॉजी डीएसई-I : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी सी-XIV : रिकॉम्बिनेंट डी.एन.ए. टैक्नोलॉजी डीएसई-III : डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-IV : डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनेरिक इलैक्टिव
(I-IV सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई एक प्रश्नपत्र)

सैमेस्टर-I
1. इंट्रोडक्शन एंड स्कोप ऑफ माइक्रोबॉयोलॉजी

सैमेस्टर-II
2. बैक्टिरियोलॉजी एवं वायरोलॉजी

सैमेस्टर-III
3. माइक्रोबॉयल मैटाबॉलिज्म
4. माइक्रोबॉयल जेनेटिक्स एंड मोल्युकुलर बॉयोलॉजी

सैमेस्टर-IV
5. इंडस्ट्रियल एंड फूड माइक्रोबॉयोलॉजी
6. माइक्रॉब्स इन एनवायरमेंट
7. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी
8. जेनेटिक्स इंजीनियरींग एंड बॉयोटैक्नॉलॉजी

स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम (कोई दो)
(III-IV सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई एक प्रश्नपत्र)
1. माइक्रोबॉयल क्वालिटी कंट्रोल इन फूड एंड फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज
2. माइक्रोबॉयल डायग्नोसिस इन हेल्थ क्लीनिक्स
3. बॉयोफर्टिलाइजर्स एंड बॉयोपेस्टीसाइड्स
4. फूड फर्मेंटेसन टैक्नीक्स
5. मैनेजमेंट ऑफ ह्यूमन माइक्रोबॉयल डिसीजेस
6. माइक्रोबॉयल एनालिसिस ऑफ एयर एंड वाटर

डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव (अन्य विभागों के लिए)
(V-VI सैमेस्टर में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई दो प्रश्नपत्र)

सैमेस्टर-V
1. बॉयोइंफार्मेटिक्स
2. प्लांट पैथोलॉजी
3. इनहैरिटेंस बॉयोलॉजी
4. बॉयोमैथेमेटिक्स एंड बॉयोस्टेटिक्स

सैमेस्टर-VI
5. माइक्रोबॉयल बॉयोटेक्नॉलॉजी
6. एडवांस इन माइक्रोबॉयोलॉजी
7. इंस्ट्रूमेंटेशन एंड बॉयोटेक्निक्स
8. बॉयोसेफ्टी एंड इनटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राईट्स
9. प्रोजेक्ट वर्क

भौतिकी विज्ञान विभाग

यह विभाग भौतिकी विज्ञान में तीन-वर्षीय बी.एस.सी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम की पेशकश करता है और भौतिकी विज्ञान के विशुद्ध और व्यावहारिक क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध मानक प्रदान करने के लिए काफी उच्च सक्रिय और सजीव संकाय के साथ प्रतिबद्ध है। यह छात्रों को सक्षम और उत्साही भौतिकविद् बनने के लिए प्रशिक्षित करता है। इसकी ''टैकयोन्स'' सोसायटी के माध्यम से यह विभाग आमंत्रित चर्चाएं और शैक्षिक-चर्चाओं का भी आयोजन करता है।

विभाग की अत्याधुनिक शोध प्रयोगशाला है जहां छात्र भौतिक विज्ञान की सिद्धांतों की नींव रखते हैं ताकि उनके वैज्ञानिक स्वभाव को बढ़ाया जा सके। विभाग में अधिगम प्रक्रिया और छात्रों की व्यावहारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एच.ई.-एन.ई. लेजर, पोलारिमीटर, स्पैक्ट्रोमीटर्स, इलैक्ट्रीकल ब्रिजिस, ओसिलोसोस्कोप, रैजिसटेंट मीटर्स, फंक्शन जेनेरेटर्स, पावर सप्लायर्स, आप्टिकल बैंचर्स आदि जैसे उपकरण उपलब्ध हैं।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी विज्ञान

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : मैथेमेटिकल फिजीक्स-I सी-I : लैब (मैथेमेटिकल फिजीक्स-I) सी-II : मैकेनिक्स सी-II : लैब (मैकेनिक्स) जीई-I एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस.	सी-III : इलैक्ट्रीसिटी एंड मैग्नेटिज्म सी-III : लैब (इलैक्ट्रीसिटी एंड मैग्नेटिज्म) सी-IV : वेव्स एंड ऑप्टिक्स सी-IV : लैब (वेव्स एंड ऑप्टिक्स) जीई-II एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस.
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : मैथेमेटिकल फिजीक्स-II सी-V : लैब (मैथेमेटिकल फिजीक्स-II) सी-VI : थर्मल फिजीक्स सी-VI : लैब (थर्मल फिजीक्स) सी-VII : डिजीटल सिस्टम एंड एप्लीकेशंस सी-VII : लैब (डिजीटल सिस्टम एंड एप्लीकेशंस) जीई-III एसईसी-I	सी-VIII : मैथेमेटिकल फिजीक्स-III सी-VIII : लैब (मैथेमेटिकल फिजीक्स-III) सी-IX : एलीमेंट ऑफ मॉडर्न फिजीक्स सी-IX : लैब (एलीमेंट ऑफ मॉडर्न फिजीक्स) सी-X : एनॉलॉग सिस्टम एंड एप्लीकेशंस सी-X : लैब (एनॉलॉग सिस्टम एंड एप्लीकेशंस) जीई-IV एसईसी-II
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : क्वांटम मैथेमेटिक्स सी-XI : लैब (क्वांटम मैथेमेटिक्स) सी-XII : सोलिड स्टेट फिजीक्स सी-XII : लैब (सोलिड स्टेट फिजीक्स) डीएसई-I डीएसई-II	सी-XIII : इलैक्ट्रॉनिकमैग्नेटिक थ्योरी सी-XIII : लैब (इलैक्ट्रॉनिकमैग्नेटिक थ्योरी) सी-XIV : स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स सी-XIV : लैब (स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स) डीएसई-III डीएसई-IV

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

डिसीप्लीन स्पेसिफिक इलैक्टिव (डी.एस.ई.) (क्रेडिट : 06 प्रत्येक) डी.एस.ई. I-IV (चार प्रश्नपत्रों का चयन : विषम सेमेस्टर के लिए 2 प्रश्नपत्र और सम सेमेस्टर के लिए 2 प्रश्नपत्र)

विषम सैमेस्टर

1. एक्सपेरीमेंटल टैक्नीक्स (4) + लैब (4)
2. एडवांस्ड मैथेमेटिकल फिजिक्स (4) + लैब (4)
3. एम्बेडेड सिस्टम्स - इंट्रोडक्शन टू माइक्रोकंट्रोलर (4) + लैब (4)
4. न्यूक्लियर एंड पार्टिकल फिजीक्स (5) + ट्यूटोरियल (1)
5. फिजीक्स ऑफ डिवाइसिस एंड कम्यूनिकेशंस (4) + लैब (4)
6. एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजीक्स (5) + ट्यूटोरिल (1)
7. एटमोस्फेरिक फिजीक्स (4) + लैब (4)
8. बॉयोलॉजिकल फिजीक्स (5) + ट्यूटोरियल (1)

सम सैमेस्टर

9. एडवांस्ड मैथेमेटिकल फिजीक्स-II (5) + ट्यूटोरियल (1)
10. कम्यूनिकेशन सिस्टम (4) + लैब (1)
11. एप्लाईड डायनामिक्स (4) + लैब (4)
12. वेरीलॉग एंड एफ.पी.जी.ए. बेस्ड सिस्टम डिजाईन (4) + लैब (4)
13. क्लासिकल डायनामिक्स (5) + ट्यूटोरियल (1)
14. डिजीटल सिग्नल प्रोसेसिंग (4) + लैब (4)
15. नैनो मेटेरियल्स एंड एप्लीकेशंस (4) + लैब (4)
16. फिजीक्स ऑफ द अर्थ (5) + ट्यूटोरियल (2)
17. मेडिकल फिजीक्स (4) + लैब (4)
18. शोध निबंध

स्किल एन्हांसमेंट पाठ्यक्रम (02 से 04 प्रश्नपत्र) क्रेडिट : 02 प्रत्येक एस.ई.सी.-I से एस.ई.सी.-IV

1. फिजिक्स वर्कशिप स्किल्स
2. कम्प्यूटेशनल फिजीक्स स्किल्स
3. इलैक्ट्रिकल सर्किट्स एंड नेटवर्क स्किल्स
4. बेसिक इंस्ट्रूमेंटेशन स्किल्स
5. रिन्यूएबल एनर्जी एंड एनर्जी हार्वेस्टिंग
6. टेक्निकल ड्राइंग
7. रेडिएशन सेफ्टी
8. एप्लाईड ऑप्टिक्स
9. मौसम अनुमान

जेनेरिक इलैक्टिव (माइनर-फिजीक्स) अन्य विभागों/विषयों के लिए (क्रेडिट : 06 प्रत्येक)

विषम सैमेस्टर

1. इलैक्ट्रिसिटी एंड मैग्नेटिज्म (4) + लैब (4)
2. मैथमेटिकल फिजीक्स (4) + लैब (4)
3. डिजीटल, एनॉलॉग एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (4) + लैब (4)
4. एप्लाईड डायनामिक्स (4) + लैब (4)
5. मेडिकल फिजीक्स (4) + लैब (4)
6. वेव्स एंड ऑप्टिक्स (4) + लैब (4)
7. क्वांटम मैकेनिक्स (4) + लैब (4)*
8. कम्यूनिकेशन सिस्टम (4) + लैब (4)*
9. वेरीलॉग एंड एफ.पी.जी.ए. बेस्ड सिस्टम डिजाईन (4) + लैब (4)*
10. नैनो मेटेरियल्स एंड एप्लीकेशंस (4) + लैब (4)*

सम सेमेस्टर

11. मैकेनिक्स (4) लैब (4)
12. एलीमेंट्स ऑफ माडर्न फिजीक्स (4) + लैब (4)
13. सॉलिड स्टेट फिजीक्स (4) + लैब (4)
14. एम्बेडेड सिस्टम्स — इंट्रोडक्शन टू माइक्रोकंट्रोलर (4) + लैब (4)
15. बॉयोलॉजिकल फिजीक्स (5) ट्यूटोरियल (1)
16. थर्मल फिजीक्स (4) + लैब (4)
17. डिजीटल सिग्नल प्रोसेसिंग (4) + लैब (4)
18. न्यूक्लियर एंड पार्टिकल फिजीक्स (5) + ट्यूटोरिल (1)**
19. एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजीक्स (5) + ट्यूटोरिल (1)**
20. एटमोस्फेरिक फिजीक्स (4) + लैब (4)**
21. फिजीक्स ऑफ द अर्थ (5) + ट्यूटोरियल (1)**

* पहले सेमेस्टर में उपलब्ध नहीं ** दूसरे सेमेस्टर में उपलब्ध नहीं

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2017 में हुई थी और वर्तमान में छात्रों के लिए तीन-वर्षीय स्नातक मनोविज्ञान में बी.एस.सी. (ऑनर्स) पाठ्यक्रम चलाता है। पाठ्यक्रम को मनोविज्ञान के विभिन्न उप-डोमेन्स में सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान जैसे मनोविज्ञान की नींव, सामाजिक और सांस्कृतिक मनोविज्ञान, नैदानिक मनोविज्ञान, जीवन अवधि विकास, संगठनात्मक व्यवहार, सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धति, और जैव-मनोविज्ञान की नींव इत्यादि प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

विभाग का उद्देश्य मनोवैज्ञानिकों का उत्पादन करना है जो वास्तविक दुनिया की परिपेक्ष में वैचारिक ज्ञान को लागू कर सकते हैं। शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में छात्रों के बीच सीखने की प्रक्रिया को समृद्ध करने के लिए बातचीत आधारित व्याख्यान, ई-लर्निंग संसाधनों का उपयोग, ऑडियो-विजुअल एड्स, मूवी स्क्रीनिंग, जॉर्नल और शोध लेख शामिल हैं। विभाग छात्रों को एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने और कक्षा-शिक्षण से परे अनुसंधान हितों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

विभाग का एक शैक्षणिक सोसाइटी है, जिसका नाम 'साइमेंसिया' है जो मन, मस्तिष्क और प्रबुद्धता का दर्पण है। 2017 के बाद से, इसने पारस्परिक संबंधों, तनाव प्रबंधन, फिल्म विश्लेषण आदि पर इंटरेक्टिव सत्र जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसने छात्रों को विभिन्न समकालीन विषयों के बारे में जानकारी देने के लिए साइकोड्रामा, बॉडी लैंग्वेज, संगीत और आर्ट थेरेपी जैसे विभिन्न रोचक कार्यशालाओं का आयोजन किया है। सोसाइटी का मुख्य आकर्षण इसका वार्षिक मनोविज्ञान फेस्ट 'ट्रेजायर' है जिसका उद्देश्य पैनल चर्चा और इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना है। विभाग अपनी वार्षिक पत्रिका 'सोफ्रोसाइन' भी जारी करता है, जिसमें विभाग की उपलब्धियों का विवरण होता है।

इस प्रकार, विभाग विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों तथा उत्तरोत्तर कार्यों में व्यस्त रहने हेतु एक समृद्ध परिवेश उपलब्ध कराता है।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : मनोविज्ञान का परिचय (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) सी-II : मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की सांख्यिकीय पद्धतियां- I (सिद्धांत + ट्यूटोरियल) एईसीसी-I : पर्यावरण विज्ञान जीई-I : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-III : जैव-मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल) सी-IV : व्यक्तिगत मतभेद संबंधी मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) एईसीसी-II : अंग्रेजी सम्प्रेषण जीई-II : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : मनोवैज्ञानिक विचारों का विकास (सिद्धांत + ट्यूटोरियल) सी-VI: मनोवैज्ञानिक अनुसंधान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) सी-VII : सामाजिक मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल) एईईसी-I : एबिलिटी एन्हांसमेंट इलैक्टिव कोर्स जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : मनोवैज्ञानिक विकारों की समझ (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) सी-IX : मनोवैज्ञानिक अनुसंधान की सांख्यिकीय पद्धतियां-II (सिद्धांत + ट्यूटोरियल) सी-X : प्रयुक्त सामाजिक मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) एईईसी-II : एबिलिटी एंहांसमेंट इलैक्टिव कोर्स जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : मनोवैज्ञानिक विकारों की समझ एवं समाधान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) सी-XII : मनोविज्ञान का विकास (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) डीएसई-I : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : संगठनात्मक व्यवहार (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) सी-XIV : परामर्शी मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल) डीएसई-III : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-IV : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव pecific Elective

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनेरिक इलैक्टिव
(सैमेस्टर I-IV में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई भी एक)

1. सामान्य मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
2. युवा, लिंग एवं पहचान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
3. सेहत एवं स्वास्थ्य के लिए मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
4. कार्यस्थल पर मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
5. मनोविज्ञान एवं मीडिया (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
6. अंतर-समूह संबंध (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
7. युवा मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)

स्किल एंहांसमेंट इलैक्टिव पाठ्यक्रम (कौशल आधारित)
(सैमेस्टर III-IV में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई भी एक)

1. भावात्मक मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
2. तनाव प्रबंधन (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
3. प्रभावी निर्णयन (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
4. शैक्षणिक मनोविज्ञान (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
5. चयन एवं प्रशिक्षण (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
6. व्यक्तिगत वृद्धि एवं विकास (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)
7. संगठनों में मनोवैज्ञानिक कौशल (सिद्धांत + ट्यूटोरियल)

डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव (अन्य विभागों के लिए)
(सैमेस्टर V-VI में प्रत्येक सैमेस्टर में कोई भी दो)

1. सकारात्मक (पॉजिटिव) मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
2. मानव संसाधन प्रबंधन (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
3. स्वास्थ्य मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
4. सामुदायिक मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
5. सांस्कृतिक एवं घरेलू मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
6. प्रोजेक्ट/—ोध-निबंध (VI सैमेस्टर)
7. शिक्षा में मनोवैज्ञानित परिप्रेक्ष्य (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
8. अक्षम्य संबंधी मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)
9. शांति संबधी मनोविज्ञान (सिद्धांत + प्रैक्टिकल)

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग, एक त्रि-वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सांख्यिकी में बी.एससी. (ऑनर्स) का संचालन करता है। डाटा विश्लेषण प्रत्येक क्षेत्र, चाहे वह तकनीकी हो अथवा सामाजिक, में आवश्यक हो गया है। अतः साख्यिकी, एक विषय के रूप में, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

सांख्यिकी विभाग छात्रों को वैचारिक, कम्प्यूटेशनल और अनिश्चितता की मात्रा निर्धारित करने और कई अनुप्रयोगों से उत्पन्न जटिल डेटा से महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करने में मदद करता है। प्रत्येक क्षेत्र में इसकी एप्लीकेशनों की रेंज काफी विस्तृत है और कॉरपोरेट जगत में, नौकरियों के व्यापक दायरे की पेशकश करती है। सांख्यिकीविदों की मांग बहुत अधिक है और इस क्षेत्र में वृद्धि की खासी गुंजाइश है।

विभाग में लेक्चरों में अध्ययन किए गए सैद्धांतिक मुद्दों के लिए प्रैक्टिकल प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एस.पी.एस.एस. जैसे सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर(रों) सहित एक सुसज्जित प्रयोगशाला है। विभाग में ''पारस्तिका'' नामक एक सोसायटी है, इस सोसायटी के तत्वावधान में प्रख्यात प्रोफेसरों द्वारा लेक्चर दिए जाते हैं।

पाठ्यक्रम सामग्री

बी.ए. (ऑनर्स) सांख्यिकी

सैमेस्टर 1	सैमेस्टर 2
सी-I : विवरणात्मक सांख्यिकी सी-II : कैलकुलस एईसीसी-I : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-I : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-III : प्रायिकता एवं प्रायिकता वितरण सी-IV : बीजगणित एईसीसी-II : अंग्रेजी/एम.आई.एल. सम्प्रेषण या ई.वी.एस. जीई-II : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 3	**सैमेस्टर 4**
सी-V : सैम्प्लिंग वितरण सी-VI : सर्वेक्षण सैम्प्लिंग तथा भारतीय आधिकारिक सांख्यिकी सी-VII : गणितीय विश्लेषण एसईसी-I : सॉफ्टवेयर पैकेजों का उपयोग करके सांख्यिकी डाटा विश्लेषणध्आर सॉफ्टवेयर परिवेश का उपयोग जीई-III : जेनेरिक इलैक्टिव	सी-VIII : सांख्यिकी अंतरफलक (इंटरफेस) सी-IX : रैखिक मॉडल सी-X : सांख्यिकी गुणवत्ता नियंत्रण एसईसी-II : अनुसंधान पद्धतियोंध्डाटाबेस प्रबंधन प्रणालियों के लिए सांख्यिकीय तकनीक जीई-IV : जेनेरिक इलैक्टिव
सैमेस्टर 5	**सैमेस्टर 6**
सी-XI : अनेक संभावनाओं में से चुनी हुई प्रक्रियाएं (स्टोकास्टिक प्रक्रियाएं) सी-XII : सी++ प्रोग्रामिंग का उपयोग करके सांख्यिकीय कम्प्यूटिंग डीएसई-I : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-II : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव	सी-XIII : प्रयोगों का डिजाईन सी-XIV : बहुभिन्नरूपी विश्लेषण और गैर-पैरामीट्रिक पद्धतियां डीएसई-III : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव डीएसई-IV : डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

सी : कोर कोर्स, जीई : जेनेरिक इलैक्टिव, एईसीसी : एबिलिटी एन्हान्समेंट कम्पल्सरी कोर्स, एसईसी : स्किल एन्हान्समेंट कोर्स, डीएसई : डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव

जेनेरिक इलैक्टिव
(अन्य विभागों के लिए)
1. सांख्यिकीय पद्धतियां
2. परिचयात्मक प्रायिकता
3. सांख्यिकी अंतरफलक (इंटरफेस) के आधार (बेसिक्स)
4. प्रयुक्त (एप्लाईड) सांख्यिकी

डिसीप्लिन स्पेसिफिक इलैक्टिव
(क्रेडिट : 06 प्रत्येक के लिए)

डीएसई-I
1. समय श्रृंखला विश्लेषण
2. जनसांख्यिकी एवं जन्म-मृत्यु सांख्यिकी

डीएसई-II
1. ऑपरेशनल रिसर्च
2. अर्थमिति (इकोनोमैट्रिक्स)

डीएसई-III
1. बीमांकिक सांख्यिकी
2. जीवन-दर सांख्यिकी

डीएसई-IV
1. वित्तीय सांख्यिकी
2. प्रोजेक्ट कार्य

शारीरिक शिक्षा और खेल–कूद विभाग

देश की प्रगति के क्रम में, छात्रों को ऊर्जावान बनाने के लिए उनके स्वास्थ्य का परिपोषण करना होगा। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, एस.आर.सी.ए.एस.डब्ल्यू., शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर खेल–कूद गतिविधियों पर काफी ध्यान केंद्रित करता है और छात्रों को विभिन्न प्रकार के खेल–कूद में हिस्सा लेने और अग्रणी बनने के लिए प्रोत्साहित करता है जो कि हमारे कॉलेज और बाहर नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। कॉलेज शारीरिक शिक्षा एवं खेल–कूद गतिविधियों का आयोजन निम्नानुसार करता है :-

1. **खेल–कूद सुविधाएं** : कॉलेज एथेलेटिक्स, एरोबिक्स, बैडमिंटन, क्रॉस कंट्री, जिम्नास्टिक्स, खो–खो, वॉलीबाल, टेबल टेनिस और योगा के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। इसके परिसर में एक सुसज्जित जिम है। ये सुविधाएं स्टॉफ और छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। विभाग समय–समय पर विभिन्न फिटनेस कार्यक्रमों और कैम्पों का आयोजन भी करता है।
2. **टूर्नामेंटों में हिस्सेदारी** : हमारे विद्यार्थी नियमित तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर–कॉलेज टूर्नामेंटों में हिस्सा लेते हैं और जिला स्तरीय, राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय स्तरीय तथा अंतर–विश्वविद्यालय स्तरीय टूर्नामेंटों में भी भाग लेते हैं और अपनी खेल–कूद उपलब्धियों से कॉलेज को गौरवान्वित भी करते हैं। कॉलेज सभी प्रकार की अपेक्षित सहायता प्रदान करता है।
3. **स्पर्धा – खेल–कूद उत्सव** : इसके अंतर्गत विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों से टीमों को भागीदारी करने और अपने खेल–कूद प्रतिभा, लीडरशिप और सहभागिता का प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। स्पर्धा–2018 में, दिल्ली विश्वविद्यालय के 42 विभिन्न कॉलेजों से एथलिटों ने भाग लिया तथा नौ खेल–कूद स्पर्धाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
4. **अंतर–भित्तीचित्रण** : कॉलेज ने अंतर–भित्तीचित्रण का आयोजन किया, जिसमें कॉलेज के छात्रों, अध्यापकों और कर्मचारीगणों ने विभिन्न खेल कार्यक्रमों में भाग लिया।
5. **शिक्षण के विषय के रूप में शारीरिक शिक्षा** : शारीरिक शिक्षा एवं खेल–कूद विज्ञान विभाग, शारीरिक शिक्षा में विभिन्न सामान्य (जेनेरिक) ऐच्छिक पत्रों की पेशकश करता है।

   सेमेस्टर I– समकालीन संदर्भ में शारीरिक शिक्षा का परिचय।

   सेमेस्टर II– फिटनेस, स्वास्थ्य एवं पोषाहार।

   सेमेस्टर III– स्वास्थ्य शिक्षा, शरीर–रचना विज्ञान, शारीरिक क्रिया विज्ञान।

   सेमेस्टर IV– आसन, खेल औषधि एवं प्राथमिक उपचार।

कॉलेज में लगभग 600 दर्शकक्षमता वाला एक हाईटेक ऑडिटोरियम, आकर्षक रूप से डिजाईन किया गया एक एम्पीथियेटर, अनेक सेमिनार हॉल, विस्तृत अध्ययनकक्ष, सुसज्जित जिम, सुंदर बगीचे और शोभायमान लॉन उपलब्ध हैं। इसके कैम्पस में एक हॉस्टल भी है जिसमें लगभग 120 छात्रों के लिए व्यवस्था है। कॉलेज हॉस्टल, छात्रों के रहने के लिए एक स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण स्थान है।

पुस्तकालय

कॉलेज के पुस्तकालय में लगभग 19100 किताबें, 20 मुद्रित पत्रिकाएं और मैगजीन तथा आधारभूत विज्ञान के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए अनेक वैज्ञानिक विश्वकोश एवं पत्रिकाएं उपलब्ध हैं। पुस्तकालय - यू.जी.सी. इंफोनेट, डी.यू.एल.आई.एस. इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और इंलिबनेट के एन.एल.आई.एस.टी. के माध्यम से बड़ी संख्या में इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को सब्सक्राईब करता है। जिसमें - संदर्भ और उद्धरण संसाधन के संबंध में 11 ऑनलाइन डाटाबेस, ग्रंथसूची संसाधन के संबंध में 7 ऑनलाइन डाटाबेस, उद्धरण विश्लेषण संसाधन के संबंध में 2 ऑनलाइन डाटाबेस, वित्तीय एवं सांख्यिकी संसाधन के संबंध में 5 ऑनलाइन डाटाबेस, डॉक्टरेट थीसीस के संबंध में एक डाटाबेस और फुल टेक्स्ट संसाधन के संबंध में 77 ऑनलाईन डाटाबेस - शामिल हैं। पुस्तकालय में 80 कम्प्यूटरों वाली तीन वाई-फाई कम्प्यूटर प्रयोगशालाओं सहित 49270+ ई-पत्रिकाएं और 97000+ ई-बुक उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में, खाद्य प्रौद्योगिकी के तीसरे वर्ष के छात्रों द्वारा किए गए नवीन उत्पाद विकास जैसे इसके संस्थानिक संग्रह के संबंध में डिजीटल सामग्री भी उपलब्ध है। पुस्तकालय द्वारा अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट रिपोर्टें, प्रश्नपत्रों, पाठ्यक्रमों का भी डिजिटीकरण किया गया है।

कॉलेज का पुस्तकालय आर.एफ.आई.डी. (रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन प्रणाली) सक्षम है, जिसका उपयोग हाउसकीपिंग संचालनों के लिए किया जाता है। इस प्रणाली को ट्रैकिंग प्रणाली में परिवर्तित करने के लिए सुरक्षा के साथ जोड़ा गया है जिससे सुकर एवं त्वरित वितरण एवं सुपुर्दगी, इंवेंट्री, सामग्री संचालन और किताबों की सरल वापसी के लिए स्वचालित बुक ड्रॉप किओस्क सहित सम्पूर्ण पुस्तकालय में सामग्री का पता लगाना और अधिक प्रभावी हो गया है। इस प्रणाली में - स्व-परिचालित डेस्क, स्टॉफ वर्क स्टेशन, सुरक्षा गेट, बुक ड्रॉप बॉक्स, आई.एफ.आई.डी. रीडर, किताबों के लिए आर.एफ.आई.डी. स्टीकर, प्रत्येक पुस्तक आदान-प्रदान के लिए एस.एम.एस./ई-मेल सेवा - शामिल हैं।

उपरोक्त के अलावा, कॉलेज में ऑडिटोरियम, एम्फीथिएटर, लेक्चर थिएटर, कॉन्फ्रेंस रूम, हरे-भरे खेल के मैदान और शिक्षकों के लिए सुसज्जित स्टाफ रूम हैं।

खेल का मैदान

सम्मेलन कक्ष

एम्फीथिएटर

सभागार

ई-लाइब्रेरी

कॉलेज कैन्टीन

अंतर-संस्थानिक समझौता 2017-19

कॉलेज / ओपावा, चेक गणराज्य में साइलेसियन विश्वविद्यालय, दर्शनशास्त्र एवं विज्ञान विभाग के साथ इरॉसमस प्रोजेक्ट संख्या - 2017-1-सी.जेड. 01-के 107-034877 (मुख्य गतिविधियां) का हिस्सा बना है। भागीदार संस्थान ने इरासमस कार्यक्रम के संदर्भ में दो शैक्षणिक वर्षों अर्थात् 2017-2018 और 2018-19 के लिए छात्रों और/अथवा स्टॉफ के एक्सचेंज हेतु सहयोग करने की सहमति दी है। कॉलेज द्वारा, यूरोप में अन्य प्रख्यात विश्वविद्यालयों के साथ अधिकाधिक अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम को आरम्भ करना प्रक्रियाधीन है।

SLEZSKÁ UNIVERZITA V OPAVĚ

SHAHEED RAJGURU COLLEGE OF APPLIED SCIENCES FOR WOMEN

प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाईड साइंसेज फॉर वीमैन (दिल्ली विश्वविद्यालय) को हाल ही में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम - डी.आई., नई दिल्ली द्वारा समर्थित प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर के अनुमोदन से सम्मानित किया गया है। इनक्यूबेटर का मिशन प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप की स्थापना और विकास को प्रोत्साहित करना है। इस मिशन को पूरा करके, प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर रोजगार सृजन में योगदान करेगा और इनक्यूबेटर को बिना समर्थन के संचालित करने हेतु राजस्व सृजन करेगा।

स्पिक मकॉय

SPIC MACAY
Society for the Promotion of Indian Classical Music and Culture amongst Youth

स्पिक मकॉय एक गैर-राजनीतिक राष्ट्रव्यापी स्वैच्छिक अभियान है, जो शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य, लोककला, योग, शास्त्रीय सिनेमा स्क्रीनिंग्स, विरासत भ्रमण इत्यादि का आयोजन करता है। कॉलेज द्वारा स्पिक मकॉय की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला, विरासत 2018 के भाग के रूप में 'स्पिक मकॉय' के सहयोग से कॉलेज ऑडिटोरियम में कुतुबी ब्रॉदर्स के एक कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग

दिनांक 29 सितम्बर, 2015 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग तंत्र (एन.आई.आर.एफ.) का अनुमोदन दिया गया। यह तंत्र देश भर के संस्थानों को रैंक प्रदान करने के लिए एक पद्धति की रूपरेखा तैयार करता है। इसके मापदंडों में व्यापक रूप से ''शिक्षण, अध्ययन एवं संसाधन'', ''अनुसंधान एवं पेशेवर कार्य'', ''स्नातक परिणाम'', ''विकास एवं समावेशिता'' और ''अवधारणा'' को शामिल किया गया है। संस्थान को समग्र रैंकिंग के अतिरिक्त एक विषय विशिष्ट रैंक प्रदान की गई है। भारतीय रैंकिंग-2019 में 1087 संस्थानों में से कॉलेज श्रेणी में हमारे कॉलेज को 31वीं रैंक प्रदान की गई। इसने विकास एवं समावेशिता के मानदंड में सर्वाधिक 67.43 स्कोर के साथ 49.85 समग्र स्कोर प्राप्त किया। वर्ष 2015 में एन.ए.ए.सी. द्वारा कॉलेज को ग्रेड 'ए' संस्थान की मान्यता दी गई है।

nirf NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK

NAAC

आई–हब, उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ

उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, युवा उद्यमियों के लिए संसाधनों के एक सुगम्य एवं व्यापक संग्रह का सृजन करते हुए कॉलेज में और उसके आसपास उद्यमशील परिवेश की संरचना और समृद्ध करने की कामना करता है, जिसमें कॉलेज के छात्र, उभरते हुए पेशेवर और परामर्शदाता शामिल हैं। उद्यमिता विकास–प्रकोष्ठ, प्रभावी रूप से इन उद्देश्यों को छात्र उद्यमों की कैम्पस से कंपनियों में नेटवर्किंग, नई प्रस्तावित अवधारणाओं को सफल स्टॉर्ट–अप में परिवर्तित करने के लिए निधियां एवं निवेशक प्रदान करने के माध्यम से पूरा करता है। उद्यमिता के बारे में छात्रों में जागरूकता का सृजन करने और प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पेशेवरों और प्रख्यात व्यक्तियों के सहयोग से कार्यशालाओं और अंतर–कॉलेज प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। हाल ही में, कॉलेज को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.) डी.आई., नई दिल्ली द्वारा समर्थित प्रौद्योगिकी व्यापार इनक्यूबेटर के अनुमोदन से सम्मानित किया गया है।

सिस्को अकादमी

सिस्को प्रणाली के सहयोग से कॉलेज सिस्को स्थानीय अकादमी चलाता है। यह अकादमी सी.सी.ई.एन.टी. (सिस्को सर्टिफाईड एंट्री नेटवर्क टेक्नीशियन) और सी.सी.एन.ए. (सिस्को सर्टिफाईड नेटवर्क एसोसिएट) प्रमाणन के लिए प्रशिक्षण की पेशकश करती है। सी.सी.एन.ए. के अलावा, हमारी अकादमी साईबर सुरक्षा का परिचय, आई.ओ.डी. का परिचय, साईबर सुरक्षा की आवश्यकताएं, एन.डी.जी. लिनक्स अनहैच्ड, गतिशीलता के आधार एवं उद्यमिता, नेटवर्क सुरक्षा की आवश्यकताएं एवं लिनक्स के संबंध में विभिन्न निफीस ऑनलाइन समन्वेशी पाठ्यक्रमों की भी पेशकश करती है। इस वर्ष हमारी अकादमी ने आई.ओ.टी. पाठ्यक्रम चलाने में उत्कृष्टता के लिए "बेस्ट परफार्मिंग एकेडमी एक्सप्लोरेटरी कार्सेज 2017" पुरस्कार जीता है।

रोबोटिक्स क्लब

रोबोटिक्स क्लब, अभिमन्यु बोट की स्थापना मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित एक परियोजना – ई–यंत्र, आई.आई.टी. मुम्बई के अंतर्गत की गई थी। रोबोटिक्स क्लब के छात्र रियल लाईफ एप्लीकेशन आधिरत विकासशील परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। रोबोटिक्स क्लब कार्यशालाओं और सेमिनारों के आयोजन में भी कार्यरत है।

विदेशी भाषा पाठ्यक्रम

यह कॉलेज फ्रेंच एवं जर्मन भाषाओं में प्रमाणन पाठ्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। ये पाठ्यक्रम बहुस्तरीय है और प्रत्येक स्तर के लिए 'पहले आओ पहले पाओ' आधार पर अधिकतम 25 छात्रों का बैच बनाया जाता है। प्रत्येक भाषा पाठ्यक्रम को छह माड्यूल्स में बांटा गया है। भाषा की गहन समझ के लिए, पाठ्यक्रम के दौरान सुनना, बोलना और लिखना सहित सभी पहलुओं को शामिल किया जाता है। प्रत्येक मॉड्यूल को सफलतापूर्वक पूरा करने के पश्चात, छात्रों को समाप्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है।

आरम्भ, मनोवैज्ञानिक विकारों और मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में जागरूकता का सृजन करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी एक पहल है। यह सोसाइटी मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है और कार्यशालाओं, सेमिनारों और इंटरैक्टिव घटनाओं के माध्यम से अपनी जागरूकता फैलाता है।

आहार्य, नृत्य सोसायटी, ने विभिन्न संस्थानों में नृत्य के क्षेत्र में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और ख्याति प्राप्त की है। इसका केंद्रबिंदु नई नृत्य प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, उन्हें अपेक्षित माहौल तथा रचनात्मक स्वतंत्रता प्रदान करना है।

एलविरा, ललित कला सोसायटी, ने वर्ष भर के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में कॉलेज को गौरवान्वित किया है। यह वार्षिक अंतर-कॉलेज ललित कला उत्सव, 'विस्तोसो' का आयोजन करती है जिसमें रंगावली (रंगोली बनाना) और कार्डिना (कार्ड बनाना) इत्यादि जैसे प्रतिस्पर्धात्मक कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

एनैक्टस् में स्थायी व्यापार मॉडल के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को हल करके एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए एक प्रयास है। इसका लक्ष्य व्यावसायिक परियोजनाओं को स्थापना के चरण से उठाना और उन पर काम करना है, जब तक कि वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन के कारण न बन जाएं। छात्र सोसाइटी अपनी पहली परियोजना, 'पहचान' के साथ उत्तरोत्तर विकास कर रही है। प्रोजेक्ट 'पहचान' एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ समुदाय की समग्र विकास को सुविधाजनक बनाने और मुख्यधारा के समाज में उनकी अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक पहल है।

विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों के नियमित दौरों के माध्यम से, परियोजना ने लक्ष्य समुदाय के पचास से अधिक नामांकन किए। समुदाय के लिए योग, अंग्रेजी, व्यक्तित्व विकास, कंप्यूटर, सैलून प्रशिक्षण, खाद्य प्रौद्योगिकी, सिलाई और शास्त्रीय संगीत जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार कौशल प्रदान करने के लिए छह महीने का प्रमाणन पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। बाजरा आधारित खाद्य उत्पादन उद्यम, 'सहज' भी इस परियोजना के तहत विकसित किया गया है, जिसने एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ समुदाय के तीन सदस्यों को इसके पहले उत्पाद - 'बाजरा कुकीज' का उत्पादन करने वाले उद्यमियों में परिवर्तित किया है। समाज के लिए एक परियोजना की परिकल्पना और इसे अमल में लाने की प्रक्रिया के दौरान, एनैक्टस् एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰ अपने छात्रों को समाज के लिए उच्च दूरदर्शी लक्ष्यों के साथ उद्यमशीलता कौशल विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

ग्लैमफायर, फैशन सोसायटी – डिजाईनर, स्टाईलिसट, मॉडल और रंगमंच कलाकारों के रूप में कार्य कर रही विलक्षण प्रतिभाओं से मिलकर बनी है। इसने कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'कारवां' के दौरान ''वोग'' और ''मिस्टर एंड मिस कारवां'' जैसे फैशन कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

गलोबट्रोटर्स, हमारे कॉलेज का एक यात्रा और पर्यटन सोसाइटी है, जो नए और छिपे हुए रोमांच की यात्रा और खोज के विचार को प्रोत्साहित करता है। युवा और उत्साही यात्रियों के एक समूह के साथ, इसका उद्देश्य दुनिया और इसके लोगों को अलग-अलग रूप से देखते हुए साझा ज्ञान का एक मंच बनाना है। यह इस विचार को विभिन्न वार्ता, खेल, शहर में और इसके आसपास यात्रा और विभिन्न गतिविधियों जैसे 'दास्तान', 'मंजिल पुकारे', आदि के माध्यम से बढ़ावा देता है।

इंकलिंग्स, साहित्यिक सोसायटी, भावपूर्ण लेखकों और सुविज्ञ वक्ताओं का मंच है। इंकलिंग्स ने कॉलेज में पहली बार एक वार्षिक साहित्यिक उत्सव, ''क्विंटेसेंस'' का आयोजन किया, जो साहित्यिक और मजेदार घटनाओं का एक बड़ा समूह था। इस आयोजन में सैकड़ों साहित्यिक दिग्गजों ने भाग लिया और इसे अपने पहले वर्ष में सफल बनाया। इसके साथ ही कई अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी भाषा में बहस, भाषण और कविता कार्यक्रम पूरे वर्ष आयोजित किए गए।

मुखौटा, नाटकीय सोसायटी, का उद्देश्य नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों के संबंध में जागरूकता का प्रसार करना है। इसने कॉलेज के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'कारवां' के दौरान, नुक्कड़ नाटक ''ललकार'' का सफल मंचन किया।

फिलायरा, संगीत सोसायटी, में पश्चिमी संस्कृति से भारतीय संस्कृति के गायक/गायिकाओं तक अनेकों प्रतिभाशील गायक शामिल हैं। आरोहण – भारतीय गायकमंडली, संगीत सोसायटी का विस्तार है और प्रत्येक वर्ष विभिन्न भारतीय गायकमंडली प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेता है। सोसायटी ने अनेकों उत्सवों में भाग लिया है और अपने प्रदर्शन से प्रतिस्पर्धाओं में अनेकों स्थान प्राप्त किए हैं, जिसे कॉलेज में और इसके बाहर प्रत्येक द्वारा बहुत सराहा गया है।

शफलशॉट्स, दि फोटोग्राफी क्लब, कॉलेज में आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों को उत्साहपूर्वक कवर करता है। इसके सदस्यों ने विभिन्न अंतर-कॉलेज प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया और ''फ्रीज द सेकेंड'', ''लेंसार्क'' और ''शूट आर्ट'' जैसी स्पर्धाओं का आयोजन किया।

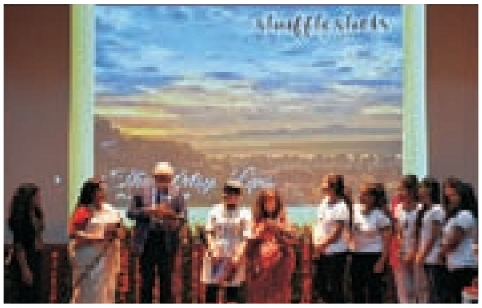

सांस्कृतिक सचिव, डॉ अलका वोहरा और छात्र सलाहकार, डॉ स्नेहा काबरा के मार्गदर्शन में विद्यार्थी परिषद द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। गतिविधियां इस प्रकार हैं :-

स्वतंत्रता दिवस समारोह – 14 अगस्त, 2018 को, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन ने इस अवसर पर उत्साह और भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया।

राजगुरु दिवस समारोह – 24 अगस्त, 2018 को सांस्कृतिक सचिव डॉ अलका वोहरा के नेतृत्व में राजगुरु दिवस का आयोजन कॉलेज के सभागार में हुआ। सभी राजगुरू सदस्यों के लिए भारतीय क्रांतिकारी शिवराम हरि राजगुरु का जन्मदिन मनाना गर्व और खुशी की बात थी। गहरी भावनाओं और सच्ची कृतज्ञता को व्यक्त करने के लिए, राजगरू सदस्यों ने उत्साहपूर्वक राजगुरु दिवस मनाया।

एफ.एम. रेडियो – शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एपलाइड सांइसस फॉर वुमैन ने 30 अगस्त 2018 को कॉलेज परिसर में 94.5 रेड एफ. एम. द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम का आयोजन किया। उनकी टीम के साथ 94.5 एफ.एम. रेडियो ने कार्यक्रम की एंकरिंग की और कई मजेदार गेम्स आयोजित किए।

फ्रेशर पार्टी – 2018 के फ्रेशर के बैच का स्वागत करने के लिए, 28 अगस्त, 2018 को कॉलेज के सभागार में एक फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी की थीम बालीवुड रेट्रो थी।

विद्यार्थी परिषद चुनाव – लिंगदोह समिति के दिशा-निर्देशों के तहत 5 सितंबर, 2018 को शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एपलाइड सांइसस फॉर वुमैन में छात्र परिषद चुनाव हुए।

हिंदी दिवस – हिंदी दिवस, 14 सितंबर, 2018 को शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एपलाइड सांइसस फॉर वुमैन, दिल्ली विश्वविद्यालय में मनाया गया।

शपथ समारोह – 2018-19 के लिए छात्र परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 11 अक्टूबर 2018 को हुआ।

भाषण प्रतियोगिता – 1 नवंबर, 2018 को कॉलेज में नेहरू युवा केंद्र संगठन के साथ छात्र परिषद द्वारा देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिवाली पार्टी – दिवाली पार्टी सांस्कृतिक जड़ों के साथ संबंध बनाने का पर्याय है और छात्रों को समृद्ध भारतीय संस्कृति और विरासत से

परिचित कराती है, विद्यार्थी परिषद ने 2 नवंबर 2018 को दिवाली पार्टी की मेजबानी की।

उद्यमिता पर संगोष्ठी – छात्रों के भीतर उद्यमशीलता को विकसित करने के मकसद शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एपलाइड सांइसस फॉर वुमैन की विद्यार्थी परिषद ने 11 जनवरी, 2019 को चाणक्य आई.ए. एस. अकादमी के सहयोग से ''एमबीए और उद्यमिता में उच्च शिक्षा की भूमिका'' विषय पर 3 घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया। ।

परिक्षा पर चर्चा – वर्ष के परीक्षा समय के दौरान जब कई छात्रों को तनाव का अनुभव होता है, माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर के कई छात्रों के साथ बातचीत की और 29 जनवरी 2019 को सेमीनार हॉल में ''परिक्षा पर चर्चा'' नामक लाइव वेबकास्ट के माध्यम से युवा दर्शकों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए।

एन.पी.सी. – वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद ने ग्रेजुएशन और पोस्ट-ग्रेजुएशन के छात्रों के लिए ''सर्कुलर इकोनॉमी फॉर प्रोडक्टिविटी एंड सस्टेनेबिलिटी'' विषय पर एक पेंटिंग/पोस्टर/ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

टैलेंट हंट – छात्र परिषद 2018-19 ने 11 फरवरी, 2019 को एक टैलेंट हंट (राजगुरू छात्रों के लिए) आयोजित किया, जहां राजगुरु छात्रों को 4 अलग-अलग अखाड़ों में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया गया – डांस, म्यूजिक, ड्रामा और कॉमेडी।

कारवां 19, वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव – शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 14-15 फरवरी, 2019 को अपने सांस्कृतिक उत्सव कारवां 2019 का आयोजन ''इस बार होगा थोडा हटके'' नारे के साथ किया।

आर्ट ऑफ लिविंग लाइव वेबकास्ट – एक लाइव वेबकास्ट दिखाया गया, जिसमें कई गणमान्य लोगों ने 19 फरवरी, 2019, सुबह 11.00 बजे हरियाणा में ''ड्रग फ्री इंडिया'' कार्यक्रम का श्रीगणेश किया।

राष्ट्रीय युवा संसद पुरस्कारों का लाइव वेबकास्ट – 27 फरवरी, 2019 को, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी, नई दिल्ली में विज्ञान भवन में राष्ट्रीय युवा संसद समारोह पुरस्कार 2019 के समापन समारोह में शामिल हुए, जिसे कॉलेज सेमिनार हॉल में लाइव दिखाया गया।

सामाजिक पहलें@एस॰आर॰सी॰ए॰एस॰डब्ल्यू॰

राष्ट्रीय सेवा स्कीम (एन.एस.एस.)

पूरे वर्ष के दौरान हमारे कॉलेज के स्वयंसेवकों द्वारा एन.एस.एस. गतिविधियों का सक्रिय रूप से आयोजन किया गया। आसपास के झुग्गी क्षेत्रों के वंचित बच्चों को शिक्षण, वृद्धाश्रम एवं अनाथालयों के दौरे, संग्रहण अभियान (सर्दी के कपड़ों का संग्रहण), रोड सेफ्टी गतिविधियां, महिला उन्नयन संबंधी गतिविधियां इत्यादि एन.एस.एस. की कुछेक गतिविधियां है। एन.एस.एस. आई-चेकअप कैम्प, रक्तदान कैम्प, स्वास्थ्य मुद्दों संबंधी कैम्प, स्व-सुरक्षा प्रशिक्षण कैम्प इत्यादि जैसे विभिन्न कैम्पों का आयोजन भी करता है। "स्वच्छ भारत अभियान" के अंतर्गत हमारे स्वयंसेवी छात्र पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय के सहयोग से मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित किए गए "स्वच्छ भारत समर इंटर्नशिप – 100 ऑवर्स ऑफ स्वच्छता" मे भाग ले रहे हैं।

महिला विकास प्रकोष्ठ

कॉलेज के महिला विकास प्रकोष्ठ का उद्देश्य छात्रों को महिलाओं के घर एवं कार्यस्थल संबंधी विभिन्न सामाजिक-कानूनी मुद्दों के संबंध में सुग्राही बनाना और अवगत कराना है। यह स्व-सशक्तिकरण के प्रोत्साहन हेतु स्व-सुरक्षा कार्यशालाओं, महिला सशक्तिकरण संबंधी चर्चाओं, यौन उत्पीड़न के विरूद्ध आवाज उठाने और महिलाओं के स्वास्थ्य का संवर्धन इत्यादि का आयोजन करता है।

ईको क्लब

कॉलेज का ईको क्लब प्रकृति के प्रति प्रेम एवं उत्तरदायित्व का प्रतीक है। छात्रों, अध्यापकों और स्टॉफ सहित कॉलेज समुदाय के सदस्य साथ मिलकर समाज के माध्यम से अपनी पर्यावरण संबंधी चिंताओं का प्रचार करते हैं। स्वच्छ पर्यावरण के महत्व को और उजागर करने के लिए पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी., पूर्वोत्तर क्षेत्र के छात्रों और दिव्यांग छात्रों को सशक्त करने और उच्च शिक्षा में उन्हें समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। यह प्रकोष्ठ ऐसे छात्रों से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी स्कीमों के संबंध में जानकारी का प्रसार करता है और परामर्श और उपाचारात्मक कक्षाओं के माध्यम से सुविधाओं एवं सहायता भी प्रदान करता है। कैम्पस को दिव्यांगों के प्रति मैत्रीपूर्ण बनाने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं। कॉलेज में रैम्प्स, लिफ्ट्स, व्हील चेयर्स और दिव्यांगों के लिए विशिष्ट शौचालय उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, कॉलेज के पुस्तकालय में दृष्टिबाधित छात्रों के लिए सहायक सॉफ्टवेयर सहित कम्प्यूटर उपलब्ध हैं।

महाविद्यालय के नियम

लेक्चर्स, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल

प्रत्येक छात्र को अध्ययन के लिए चुने गए प्रत्येक विषय के लेक्चर्स और ट्यूटोरियल/प्रैक्टिकल में उपस्थित होना अनिवार्य है। लेक्चर्स/प्रैक्टिकल के लिए छात्रों को खंडों अथवा समूहों में बांटा जाता है। छात्रों से यह आशा की जाती है कि वे अपने खंड/समूह/दिवस/अवधि का समय पर पता लगाएं ताकि कोई भी कक्षा छूट न सके। यदि कोई छात्र किसी लेक्चर अथवा प्रैक्टिकल कक्षा के लिए किसी खंड/समूह में अपना नाम/रोल नम्बर नहीं पाता है, तो उसे इस तथ्य को तुरंत संबंधित शिक्षक के संज्ञान में लाना चाहिए।

अनुशासन एवं उपस्थिति

कॉलेज के प्रत्येक छात्र को कॉलेज और विश्वविद्यालय के नियमों और विनियमों का पालन करना चाहिए। विश्वविद्यालय विनियमन के अनुसार, स्नातक पाठ्यक्रम के छात्र को प्रत्येक विषय के कुल लेक्चरों और ट्यूटोरियल्स/प्रैक्टिकलों में कम-से-कम 67 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। उपस्थिति में कमी वाले छात्रों को सैमेस्टर परीक्षाओं में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं के भीतर और बाहर अनुशासन एवं शांति बनाए रखना आवश्यक है। छात्रों को कक्षाओं और प्रयोगशालाओं में अपना मोबाईल फोन स्विच ऑफ रखना अपेक्षित है।

प्रधानाचार्य की अनुमति के बिना कॉलेज परिसर के बाहर आयोजित किए गए किसी भी कार्यक्रम और/अथवा एकत्रीकरण के लिए कॉलेज उत्तरदायी नहीं होगा।

चिकित्सा छुट्टी

बीमारी के कारण अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए सभी आवेदन के साथ किसी अधिकृत चिकित्सक अथवा अस्पताल द्वारा जारी किए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र संलग्न किया जाना चाहिए और इसे बीमारी के बाद छात्र के कॉलेज में उपस्थित होने की तारीख के एक सप्ताह के अवधि के भीतर प्रधानाचार्य के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। चिकित्सीय आधार पर उपस्थिति का लाभ देने के मामले में इस नियम का सख्ती से प्रवर्तन किया जाएगा।

पहचान-पत्र

सभी छात्रों को एडमिशन के तुरंत बाद आर.एफ. पहचान पत्र जारी किए जाते हैं। छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि प्रत्येक दिन कॉलेज में आते समय अपना पहचान-पत्र साथ लाएं और कॉलेज प्राधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर इसका प्रदर्शन करना चाहिए। पहचान-पत्र खो जाने/खराब हो जाने के मामले में, जुर्माना और फीस का भुगतान करने के बाद कॉलेज कार्यालय से इसकी प्रतिलिपि प्राप्त की जा सकती है।

पुस्तकालय

एक छात्र को प्रत्येक सप्ताह के लिए चार पुस्तकें और एक दिन के लिए एक टेक्स्ट बुक जारी की जा सकती है। यदि निर्धारित समय पर पुस्तक वापिस नहीं की जाती है तो पुस्तकालय नियमों के अनुसार जुर्माना जमा कराना होगा। पुस्तकालय की पत्रिकाएं केवल संदर्भ के लिए हैं। छात्र इनकी प्रतिलिपि भुगतान सुविधा के आधार पर प्राप्त कर सकते हैं। मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त, छात्रों को 135000 ई-बुक और 5000 ई-पत्रिकाओं पर पहुंच बनाने के लिए एक लॉग-इन/पासवर्ड दिया जाएगा।

सूचना-पट

छात्रों को यह परामर्श दिया जाता है कि वे नियमित तौर पर सूचना-पट को पढ़े और समय-समय पर संगत आदेशों और निर्देशों का अनुपालन करें। छात्रों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे स्वयं को सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं से अवगत होने हेतु, समय-समय पर कॉलेज और विश्वविद्यालय की वेबसाईट का अवलोकन करें।

मेडल एवं पुरस्कार

प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में, प्रत्येक पाठ्यक्रम में बेहतरीन शैक्षणिक निष्पादन के लिए मेडल से सम्मानित किया जाता है। शैक्षणिक पुरस्कारों के अतिरिक्त, कॉलेज में वर्षभर में आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए भी मेडल और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

सेमिनार, कार्यशालाएं और विभिन्न समारोह, वार्षिक तकनीकी उत्सव

कॉलेज विभिन्न उद्योगों/अनुसंधान संस्थानों के साथ प्रत्यक्ष चर्चा करने के क्रम में सेमिनार/कार्यशालाओं का आयोजन करता है। प्रख्यात वक्ताओं को उनके संबंधित विशेषज्ञताप्राप्त क्षेत्र के संबंध में संभाषण प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया जाता है। छात्रों के हित में, कॉलेज में समय-समय पर कुशल पेशेवरों द्वारा लेक्चरों का आयोजन भी किया जाता है। प्रत्येक छात्र के लिए इन सेमिनारों/कार्यशालाओं/लेक्चरों में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिसमें विफल होने पर दोषी छात्रों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महाविद्यालय के नियम

लॉकर्स

शैक्षणिक सत्र के आरम्भ में प्रत्येक छात्र को एक लॉकर उपलब्ध कराया जाता है। छात्रों को प्रयोगशालाओं, ऑडिटोरियम और पुस्तकालय के भीतर अपने बैग ले जाने की अनुमति नहीं दी जाती है और उन्हें अपने बैग और अन्य सामानों को लावारिस नहीं छोड़ना चाहिए। इसीलिए सुरक्षा की दृष्टि से, लॉकरों को लॉक करके रखा जाना चाहिए।

कॉलेज संपत्ति को नुकसान

छात्रों को कॉलेज संपत्ति की समुचित देखभाल करनी होगी और उन्हें कॉलेज सम्पत्ति, फर्नीचर, फिटिंग्स इत्यादि को विकृत अथवा कोई नुकसान अथवा छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। कॉलेज संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल पाए जाने वाले छात्रों के विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

छात्रवृत्ति

सभी पात्र एस.सी./एस.टी., ओ.बी.सी., दिव्यांग छात्र इत्यादि को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के लिए, नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर उद्घोषित होने पर, उनके छात्रवृत्ति फार्म ऑनलाइन प्रस्तुत करने चाहिए।

फीस छूट

कॉलेज जरूरतमंद, आर्थिक रूप से कमजोर और प्रबुद्ध छात्रों के लिए फीस में छूट की पेशकश करता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक छात्र एडमिशन के पश्चात् निर्धारित प्रपत्र (कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध) में आवेदन कर सकते हैं।

उपरोक्त नियमों के उल्लंघन के मामले में छात्रों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी, जुर्माना और कॉलेज पुस्तकालय के उपयोग से निलंबन, कक्षा से निलंबन अथवा यहां तक कि कॉलेज से निष्कासन भी शामिल है।

19.1 अध्यादेश XV–बी

विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच अनुशासन बनाए रखना

1. अनुशासन और अनुशासनात्मक कार्रवाई संबंधी सभी शक्तियां कुलपति के पास निहित है।
2. कुलपति सभी अथवा ऐसी शक्तियों, जिन्हें वे उचित समझें, को प्रॉक्टर और ऐसे अन्य व्यक्तियों, जिन्हें वे इस संबंध में निर्दिष्ट कर सकते हैं, को प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
3. अध्यादेश के तहत अनुशासन के प्रवर्तन की शक्तियों की सार्वभौमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निम्नलिखित को अशिष्टतापूर्ण अनुशासनहीनता का कार्य माना जाएगा :
   - क. दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी संस्थान/विभाग के किसी शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टॉफ के सदस्य और किसी छात्र के विरूद्ध शारीरिक मार-पीट करना अथवा शारीरिक बल प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ख. किसी हथियार को अपने पास रखना, उसका प्रयोग करना अथवा प्रयोग करने की धमकी देना।
   - ग. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1976 के प्रावधानों का कोई उल्लंघन।
   - घ. अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन।
   - ङ. महिलाओं के प्रति मौखिक अथवा अन्यथा – अपमानजनक व्यवहार।
   - च. किसी भी प्रकार की रिश्वत अथवा भ्रष्टाचार संबंधी कोई प्रयत्न करना।
   - छ. संस्थानिक संपत्ति को जान-बूझकर क्षति पहुंचाना।
   - ज. धार्मिक अथवा सांप्रदायिक आधार पर वैमनस्य अथवा असहिष्णुता का सृजन करना।
   - झ. विश्वविद्यालय प्रणाली के शैक्षणिक कार्यकरण की किसी पद्धति में बाधा उत्पन्न करना।
   - ञ. अध्यादेश XV-सी के अनुसार रैगिंग प्रतिबंधित है।
4. अनुशासन बनाए रखने संबंधी अपनी शक्तियों की सार्वभौमता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना और अनुशासन बनाए रखने के हित में ऐसी कार्रवाई, जिसे वह उचित समझे, कुलपति, उपरोक्त उल्लिखित अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए किसी छात्र अथवा छात्रों को निम्नलिखित आदेश अथवा निर्देश दे सकते हैं :-
   - क. निष्कासन करना; अथवा
   - ख. किसी कथित अवधि के लिए निष्कासित करना; अथवा
   - ग. विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज, विभाग अथवा संस्थान में अध्ययन के लिए किसी कार्यक्रम अथवा कार्यक्रमों में एक कथित अवधि के लिए दाखिल न करना;
   - घ. राशि का जुर्माना लगाना, जैसा कि निर्दिष्ट किया जाए; अथवा
   - ङ. विश्वविद्यालय अथवा कॉलेज अथवा विभागीय परीक्षा अथवा परीक्षाएं देने हेतु एक अथवा अधिक वर्ष की अवधि के लिए रोक लगाना; अथवा संबंधित छात्र अथवा छात्रों की परीक्षा अथवा परीक्षाओं, जिनमें वह अथवा वे शामिल हुए हैं, के परिणाम को रद्द करना।
5. संबंधित विभागों में संस्थान, हॉल और शिक्षण। वे अपने प्राधिकार को, अपने कॉलेज, संस्थान अथवा विभागों में ऐसे शिक्षकों, जिन्हें वे इस उद्देश्य के लिए उचित समझे, द्वारा प्रयोग सकते हैं अथवा उन्हें प्रत्यायोजित कर सकते हैं।
6. कुलपति और प्रॉक्टर, जैसा की ऊपर उल्लेख किया गया है, की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, अनुशासन और उचित व्यवहार संबंधी व्यापक नियम तैयार किए जाएंगे। इन नियम की अनुपूर्ति, आवश्यकता पड़ने पर, इस विश्वविद्यालय के कॉलेजों के प्रधानाचार्यों, हॉल के अध्यक्षों, संकायों के अध्यक्षों और शिक्षण विभागों के अध्यक्षों द्वारा की जाएगी। प्रत्येक छात्र द्वारा इन नियमों की एक प्रति को प्राप्त किया जाना प्रत्याशित है। एडमिशन के समय, प्रत्येक छात्र द्वारा एक घोषणा पर हस्ताक्षर किया जाना आवश्यक है कि एडमिशन किए जाने पर, वह विश्वविद्यालय के कुलपति और विभिन्न प्राधिकारियों, जिन्हें अधिनियमों, कानूनों, अध्यादेशों और नियमों, जिन्हें विश्विविद्यालय द्वारा तैयार किया गया है, के तहत अनुशासन बनाए रखने की शक्तियां प्रदान की गई हैं, के अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकार के अधीन स्वयं को शामिल किए जाने की सहमति देता/देती हैं।

19.2 अध्यादेश XV–सी

रैगिंग पर प्रतिबंध और दंड

1. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के किसी भाग और कॉलेज/विभाग अथवा संस्थान के परिसर के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन के भीतर किसी भी प्रकार की रैगिंग सर्वथा निषिद्ध है।
2. रैगिंग का कोई व्यक्तिगत अथवा सामूहिक कार्य अथवा प्रयास अशिष्टतापूर्ण अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है तथा ऐसे मामलों को इस अध्यादेश के तहत निपटाया जाएगा।
3. इस अध्यादेश के प्रयोजनों के तहत रैगिंग का सामान्य अर्थ है – कोई कार्य, व्यवहार अथवा प्रयास जिसके तहत वरिष्ठ छात्रों की प्रभावशाली शक्ति अथवा पद का प्रयोग नए नामांकित छात्रों अथवा उन छात्रों, जो किसी भी रूप में अन्य छात्रों द्वारा कनिष्ठ अथवा अवर माने जाते हों, को सहन करना पड़ता हो; और जिसमें व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से निम्नलिखित कार्य अथवा प्रयास शामिल हैं :

क. शारीरिक मार-पीट अथवा शारीरिक बल प्रयोग की धमकी देना।

ख. छात्राओं की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

ग. अनुसूचित जाति और जनजाति से संबंद्ध छात्रों की प्रतिष्ठा, गरिमा और सम्मान का उल्लंघन करना।

घ. उपहास अथवा अपमान करने के लिए किसी छात्र की कोई बात उजागर करना और उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाना।

ङ. मौखिक दुर्व्यवहार और मारपीट, अभद्र इशारे और अश्लील व्यवहार में शामिल होना।

4. कॉलेज के प्रधानाचार्य, विभाग अथवा संस्थान के अध्यक्ष, कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय छात्रावास अथवा आवासीय हॉल के प्राधिकारी रैगिंग संबंधी कोई सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करेंगे।

5. उपरोक्त खंड (4) में कोई भी होने के बावजूद, प्रॉक्टर भी स्वतः संज्ञान लेकर रैगिंग की किसी भी घटना की जांच कर सकते हैं और कुलपति को, उन व्यक्तियों, जो रैगिंग में शामिल हुए, तथा घटना की प्रकृति की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

6. प्रॉक्टर, रैगिंग के दोषियों की पहचान तथा घटना की प्रकृति का विवरण देते हुए एक प्राथमिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

7. यदि कॉलेज के प्रधानाचार्य अथवा विभाग अथवा संस्थान के अध्यक्ष अथवा प्रॉक्टर इस बात से संतुष्ट हैं कि कुछेक कारणों, जिन्हें लिखित रूप से लेखबद्ध किया जाना चाहिए, से ऐसी जांच करना यथोचित रूप से व्यवहार्य नहीं है, तो वे तदनुसार कुलपति को परामर्श दे सकते हैं।

8. यदि कुलपति इस बात से संतुष्ट होंगे कि ऐसी जांच करना अनिवार्य नहीं है, तो उनका निर्णय अंतिम होगा।

9. खंड (5) अथवा (6) के तहत रिपोर्ट अथवा खंड (7) के तहत प्रासंगित प्राधिकारी की अवधारणा, जिसमें खंड 3(क), (ख) और (घ) में निर्दिष्ट रैगिंग की घटना होने का उल्लेख किया गया हो, प्राप्त होने पर, कुलपति किसी छात्र अथवा छात्रों को विशिष्ट वर्षावधि के लिए निष्कासित करने का निर्देश अथवा आदेश दे सकते हैं।

10. रैगिंग के अन्य मामलो में कुलपति, छात्र अथवा छात्रों को निष्कासित करने अथवा विश्वविद्यालय के किसी कॉलेज में अध्ययन के लिए किसी कार्यक्रम में एक कथित अवधि के लिए दाखिल न देने, एक अथवा अधिक वर्ष की अवधि के लिए विभागीय परीक्षा पर रोक अथवा संबंधित छात्र अथवा छात्रों की परीक्षा अथवा परीक्षाओं, जिनमें वह अथवा वे शामिल हुए हैं, के परिणाम को रद्द करने का निदेश अथवा आदेश दे सकते हैं।

11. यदि दिल्ली विश्वविद्यालय से डिग्री अथवा डिप्लोमा प्राप्त करने वाला कोई छात्र दोषी पाया जाता है, तो ऐसे मामले में; इस अध्यादेश के तहत सांविधि 15 के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई डिग्री अथवा डिप्लोमा के वापिसी के लिए समुचित कार्रवाई की जाएगी।

12. इस अध्यादेश के प्रयोजन के लिए, रैगिंग के किसी कार्य, व्यवहार अथवा उकसावे के माध्यम से रैगिंग के लिए प्रेरित करने के कार्य को भी रैगिंग माना जाएगा।

13. दिल्ली विश्वविद्यालय प्रणाली के अंतर्गत सभी संस्थान, इस अध्यादेश के तहत जारी किए गए निर्देशों/दिशानिर्देशों को पूरा करने और इस अध्यादेश के प्रभावी कार्यान्वयन को प्राप्त करने हेतु कुलपति को सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य होंगे।

नोट : अध्यादेश XV-सी के अनुसरण में कुलपति का आदेश

इस अध्यादेश के तहत किसी प्राधिकरण द्वारा जब रैगिंग की कोई घटना(ओं) को कुलपति को सूचित की जाती है, तो रैगिंग में शामिल छात्रों को आदेश में निर्दिष्टानुसार एक विशिष्ट अवधि के लिए निष्कासित किया जाएगा। रैगिंग के मामले में रिपोर्ट में शामिल किए गए गैर-छात्र व्यक्तियों पर भारत के आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की जाएगीय उन्हें दिल्ली विश्वविद्यालय के किसी संस्थान में नामांकित होने के लिए पांच वर्ष की अवधि हेतु अपात्र ठहराया जाएगा। उन छात्रों, जिनके विरूद्ध इस नोट के तहत आवश्यक कार्रवाई की गई है, को नैसर्गिक न्याय के नियमों के सख्त अनुसरण में, निर्णय-पश्चात् सुनवाई का अनुमति दी जाएगी।

19.3 अध्यादेश XV-डी

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिबंध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (विधि एवं न्याय मंत्रालय)

कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से संरक्षण प्रदान करने और उसकी रोकथाम करने तथा यौन उत्पीड़न और उनसे संबंधित एवं परिणामी मामलों संबंधी शिकायतों का समाधान करने के लिए एक अधिनियम है।

हालांकि भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 15 के तहत यौन उत्पीड़न, महिलाओं को समानता के मौलिक अधिकारों तथा संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार और सम्मान से जीने का अधिकार और कोई व्यवसाय करने अथवा किसी रोजगार, व्यापार अथवा व्यवसाय जिसमें यौन उत्पीड़न रहित सुरक्षित परिवेश का अधिकार शामिल हैं, में संलग्न होने के अधिकारों का उल्लंघन है।

और हालांकि महिलाओं के प्रति किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करने संबंधी सभागम, जिसे 25 जून, 1993 द्वारा भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई, जैसे अंतर्राष्ट्रीय सभागम और इंस्ट्रूमेंट्स द्वारा यौन उत्पीड़न से संरक्षण और सम्मान के साथ कार्य करने के अधिकार को वैश्विक रूप से मानवाधिकार की मान्यता प्रदान की गई है।

और हालांकि कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न के विरूद्ध संरक्षण के लिए उक्त सभागम को प्रभावी बनाने के लिए प्रावधान किया जाना वांछनीय है।

विवरण के लिए, कृपया वेबसाईट http//indiacode-nic-in/acts&in&pdf/142013-pdf का अवलोकन करें।

समितियां

एडमिशन समिति	
डॉ पुनीता सक्सेना (संयोजक)	9810221483
डॉ साधना जैन (संयोजक)	9810103664
डॉ इंदु अरोड़ा (विदेशी छात्र सलाहकार)	9891027157
डॉ साधना जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, बायोकैमिस्ट्री विभाग	9810103664
डॉ राधिका बख्शी, सहायक प्रोफेसर, बायोमेडिकल साइंस विभाग	9810599435
डॉ जसजीत कौर, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन विभाग	8130959522
डॉ दीपाली बजाज सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस विभाग	9899291274
डॉ दीपा जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर, खाद्य प्रौद्योगिकी विभाग	9810950353
डॉ स्नेहा काबरा, सहायक प्रोफेसर, इंस्ट्रुमेंटेशन विभाग	9868847325
डॉ पुनिता सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित विभाग	9810221483
डॉ रेखा मेहरोत्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, जीवविज्ञान विभाग	9811243283
डॉ अल्का वोहरा कुआंर, एसोसिएट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग	9717453770
डॉ राधिका बख्शी, समन्वयक, बायोमेडिकल साइंस विभाग	9810599435
एडमिशन शिकायत समिति	
डॉ मोहम्मद साकिब अंसारी (संयोजक)	9868877867
डॉ रंजना सिंह	9818258145
स्पोर्ट एडमिशन समिति	
सुश्री वेणिका गुप्ता (संयोजक)	9953469945
डॉ बिमला पवार (सह संयोजक)	9810224259
ई.सी.ए. एडमिशन समिति	
डॉ दीपा जोशी (संयोजक)	9810950353
डॉ रंजना सिंह	9818258145
विशेष श्रेणियां एडमिशन सक्षम समिति	
डॉ मोहम्मद साकिब अंसारी (संयोजक)	9868877867
सुश्री प्रीति सिंघल	9868516331
प्रोक्टरियल और एंटी-रैगिंग समिति	
डॉ दया भारद्वाज	9811239028
डॉ वर्षा मेहरा	9971703464
आंतरिक शिकायत समिति	
सुश्री वेणिका गुप्ता	9953469945
सुश्री प्रीति सिंघल	9868516331
फीस रियायत समिति	
डॉ पुनीता सक्सेना (संयोजक)	9810221483
सुश्री प्रीति सिंघल	9868516331

पाठ्यक्रम-वार सीटों की संख्या

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	सामान्य	ओ.बी.सी.	एस.सी.	एस.टी.	ई.डब्ल्यू.एस.	कुल	पी.डब्ल्यू.डी.	सी.के.	के.एम.	खेलकूद	वार्ड कोटा	ई.सी.ए.	विदेशी नागरिक	कुल सुपरन्यूमरी
1	बी.एस.सी.(आनर्स) बॉयोमेडिकल साइंस	16	10	5	3	2	36	2	2	2	1	1	2	2	12
2	बी.एस.सी.(आनर्स) बॉयोकैमिस्ट्री	16	10	5	3	2	36	2	2	2	1	1	1	2	11
3	बी.एस.सी.(आनर्स) कैमिस्ट्री	16	10	5	3	2	36	2	2	2	2	1	1	2	12
4	बी.एस.सी.(आनर्स) कम्प्यूटर साइंस	23	14	8	4	2	51	2	2	2	2	1	2	2	13
5	बी.एस.सी.(आनर्स) इलैक्ट्रॉनिक्स	16	10	5	3	2	36	2	2	2	1	1	1	2	11
6	बी.एस.सी.(आनर्स) खाद्य प्रौद्योगिकी	16	10	5	3	2	36	2	2	2	1	1	1	2	11
7	बी.एस.सी.(आनर्स) इंस्ट्रूमेंटेशन	16	10	5	3	2	36	2	2	2	1	1	1	2	11
8	बी.एस.सी.(आनर्स) गणित	23	14	8	4	2	51	2	2	2	2	1	2	2	13
9	बी.एस.सी.(आनर्स) माइक्रोबॉयोलोजी	16	10	5	3	2	36	2	2	2	1	1	1	2	11
10	बी.एस.सी.(आनर्स) भौतिकी	23	14	8	4	2	51	2	2	2	2	1	2	2	13
11	बी.एस.सी.(आनर्स) सांख्यिकी	23	14	8	4	2	51	2	2	2	3	1	2	2	14
12	बी.एस.सी.(आनर्स) मनोविज्ञान	23	14	8	4	2	51	2	2	2	1	1	1	2	14
13	बी.एम.एस. (बैचुलर इन मैनेजमेंट स्टडीज)	23	14	8	4	2	51	2	2	2	0	0	0	2	8
14	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.) (बैचुलर इन बिजनैस स्टडीज (फाईनैनशियल इन्वैस्टमेंट एनालिसिस))	23	14	8	4	2	51	2	2	2	0	0	0	2	8

शुल्क संरचना

फीस संरचना प्रथम वर्ष 2019–20 सत्र

(क)	रखरखाव खाता	राशि	राशि	(ख)	छात्र संस्था खाता	राशि
1	ट्यूशन फीस (जुलाई, 2019 – जून, 2020)		180.00	1	खेल और व्यायाम फीस	1000.00
2	पत्रिका फीस		500.00	2	समारोह और सांस्कृतिक गतिविधियां फीस	1500.00
3	पुस्तकालय और कक्षा फीस		2000.00	3	छात्र सहायता सहायता	200.00
4	पहचान पत्र फीस		100.00	4	सुरक्षा जमा (वापसी योग्य)	500.00
5	गार्डन फीस		500.00	5	चिकित्सा फीस	150.00
6	जल और विद्युत फीस		1500.00	6	विकास फीस	2000.00
7	प्रयोगशाला फीस		2500.00	7	पिकनिक और भ्रमण फीस	400.00
8	विश्वविद्यालय नामांकन फीस		200.00	8	संगोष्ठी / प्रदर्शनी फीस	500.00
9	विश्वविद्यालय एथलेटिक एसोसिएशन फीस		50.00	9	इन-हाउस परीक्षा फीस	0.00
10	विश्वविद्यालय सांस्कृतिक गतिविधियां फीस		5.00	10	यौन उत्पीड़न रोकथाम की फीस	10.00
11	विश्वविद्यालय विकास फीस		600.00	11	विश्व विश्वविद्यालय सेवा फीस	5.00
12	कंप्यूटर प्रयोगशाला फीस		1200.00	12	अन्य	0.00
13	एन.एस.एस. निधि		20.00			
14	कम्प्यूटर साइंस बी.एससी. (ऑनर्स)	15000.00				
15	बॉयोमेडिकल साइंस बी.एससी. (ऑनर्स)	10000.00				
16	बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए. (एफ.आइ.ए))	11000.00				
17	विश्वविद्यालय परीक्षा फीस		0.00			
18	इंटरनेट सुविधा		0.00			
19	प्लेसमेंट ब्रोशर फीस	200.00	0.00			
	(केवल अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए)					
20	जुर्माना		0.00			
	कुल (क)		**9355.00**		**कुल (ख)**	**6265.00**
	कुल योग (क+ख)					**15620.00**

कार्यक्रम एवं श्रेणीवार फीस 2019–20 सत्र

सं.	कार्यक्रम का नाम बी.एस.सी. (ऑनर्स)	सामान्य	ओ.बी.सी.	एस.सी.	एस.टी.	ई.डब्लयू.एस.	पी.डब्लयू.डी.	सी.डब्लयू.	के.एम.	खेलकूद	ई.सी.ए.	वार्ड कोटा	विदेशी नागरिक
1	बॉयोमेडिकल साइंस	25620	25620	25440	25440	25620	1490	25620	25620	25620	25620	25620	39820
2	बॉयोकैमिस्ट्री	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
3	कैमिस्ट्री	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
4	कम्प्यूटर साइंस	30620	30620	30440	30440	30620	1490	30620	30620	30620	30620	30620	44820 (सार्क देश) 190620 (अन्य देश)
5	इलैक्ट्रॉनिक्स	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
6	खाद्य प्रौद्योगिकी	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
7	इंस्ट्रूमेंटेशन	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
8	गणित	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
9	माइक्रोबॉयोलोजी	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
10	भौतिकी	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
11	सांख्यिकी	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
12	मनोविज्ञान	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
13	बी.एम.एस.	15620	15620	15440	15440	15620	1490	15620	15620	15620	15620	15620	29820
14	बी.बी.ए. (एफ.आई.ए.)	26620	26620	26440	26440	26620	1490	26620	26620	26620	26620	26620	40820

फीस वापिसी नीति

एडमिशन वापिसी/रद्दकरण के मामले में फीस वापिसी के नियम

क्रमांक	फीस वापिसी के कारण	वापिस की जाने वाली फीस की मात्रा
1.	जब कोई छात्र एडमिशन की अंतिम तिथि तक एडमिशन वापिसी के लिए आवेदन करता है।	1000/- रूपये की कटौती के पश्चात् पूर्ण फीस और पूर्ण परीक्षा फीस।
2.	जब विश्वविद्यालय/कॉलेज की त्रुटि/भूल/कमीशन के कारण एडमिशन अनजाने में किया गया हो।	पूर्ण फीस और पूर्ण परीक्षा फीस।
3.	जब छात्र द्वारा किसी तथ्य को छिपाने/झूठे तथ्य पेश करने, झूठे/जाली प्रमाणपत्र(त्रों) को प्रस्तु करने, भ्रामक जानकारी प्रदान करने के कारण अथवा छात्र की ओर से किसी त्रुटि/भूल के कारण एडमिशन रद्द किया जाता है।	कोई फीस वापिस नहीं की जाएगी।
4.	जब कोई सेल्फ फाईनेंस कोर्स का छात्र एडमिशन की अंतिम तारीख को या उसके बाद एडमिशन वापिसी के लिए आवेदन करता है।	1000/- रूपये की कटौती के पश्चात् पूर्ण फीस और पूर्ण परीक्षा फीस।
5.	छात्र की एडमिशन की अंतिम तिथि से एक माह के भीतर मृत्यु के मामले में।	उसके अभिभावकों को परीक्षा फीस सहित पूर्ण फीस वापिस की जाएगी।

मार्गदर्शिका — —ाहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाईड सांईसेस फॉर वुमैन, दिल्ली–110096

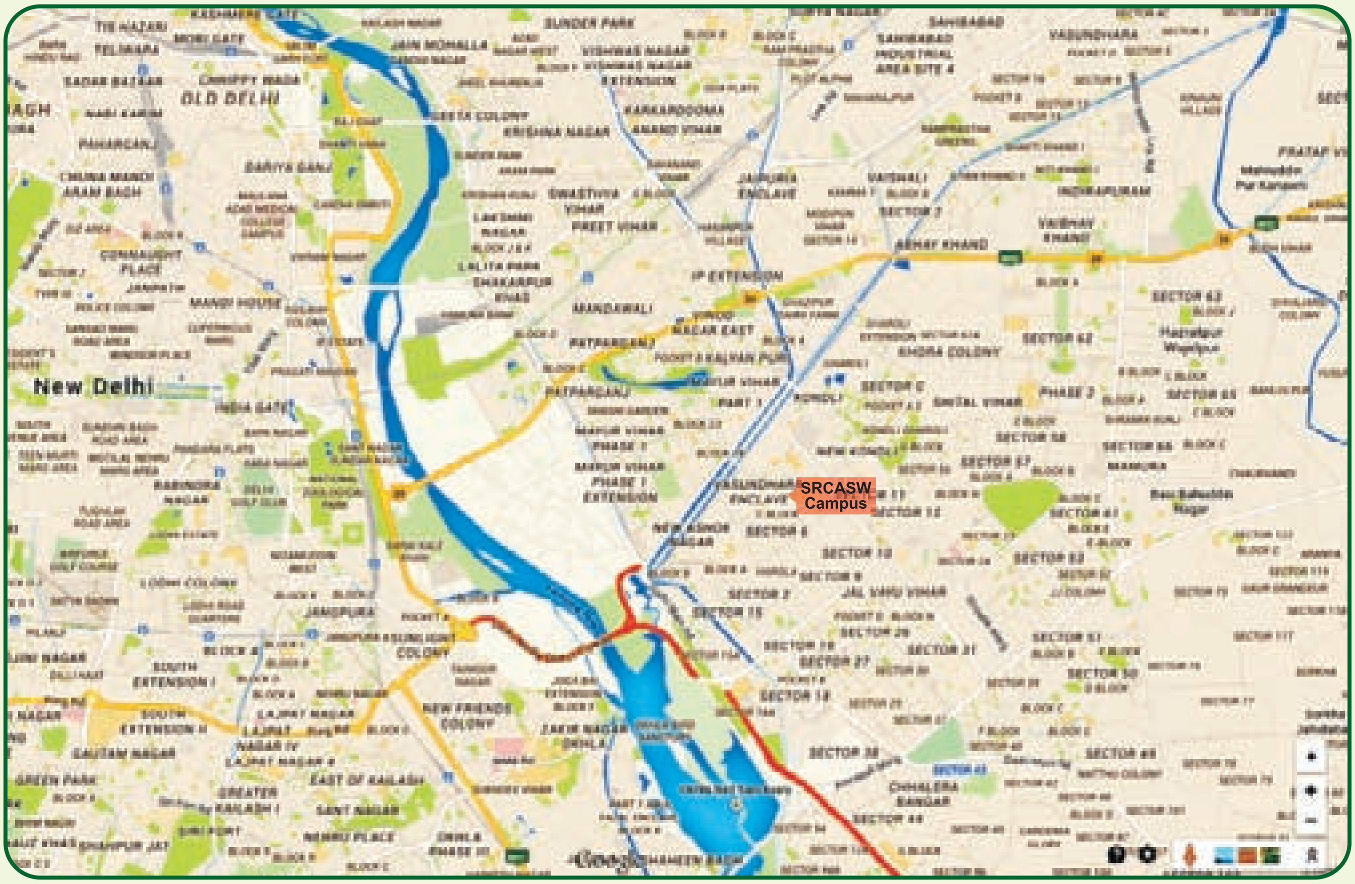

नजदीकी मेट्रो स्टेशन : सैक्टर 15, नौएडा, ऊ०प्र० (2.5 कि०मी०)
न्यू अशोक नगर, दिल्ली (3.7 कि०मी०)
मयूर विहार एक्सटेंशन (4.5 कि०मी०)

शहीद राजगुरू कॉलेज ऑफ एप्लाईड सांईसेस फॉर वुमैन

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वसुंधरा एनक्लेव (चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स के पास), दिल्ली–110096

दूरभाष : 22623503, 22623505 • दूरभाष/फैक्स : 22623504

वेबसाइट : www.rajgurucollege.com